www.tamsasanket.com

वर्ष: 30 || अंक 02 || अम्बेडकरनगर

मंगलवार

24 मार्च 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹ 2

आज़ादी का अमृत महोत्सव

समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:07
सूर्यास्त: 06:19
अधिकतम: 31°00
न्यूनतम: 19°00

विशेष समाचार तेज होती हथियारों की होड़ ... >>पेज 04 | यूपी के कैप्टन साथी को ... >>पेज 06 | 40 की हुई कंगना रनोट... >> पेज 07

ट्रम्प बोले- ईरान से 5 दिन में डील संभव, वे समझौते के लिए बेकरार

'ईरान जंग पर ब्रेक'

- ट्रंप ने ईरान पर सैन्य हमले रोकने का निर्देश दिया।
- अमेरिका और ईरान के बीच सार्थक बातचीत हुई।
- पांच दिनों तक पावर प्लांटों पर हमला टाला गया।

- ट्रम्प बोले-ईरानी पावर प्लांट्स पर 5 दिन हमला नहीं करेंगे
- जंग खत्म करने पर 2 दिन चली बातचीत, पहले 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था
- 'अमेरिका से नहीं हो रही कोई बात, होर्मुज बंद ही रहेगा', ट्रंप को दावे को ईरान ने किया खारिज

एलान

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान बातचीत के लिए बेकरार है और जल्द समझौता करना चाहता है। उन्होंने कहा कि 5 दिन या उससे कम समय में यह डील हो सकती है। ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज से बातचीत में कहा कि ईरान के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 5 दिन के लिए हमले को टालना इसी बातचीत का नतीजा है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने खुद आगे बढ़कर बातचीत की पहल की।

जब उनसे कहा गया कि ईरानी मीडिया ने उनके दावे को गलत बताया है तो उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आ रहा कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं, क्योंकि ताजा बातचीत तो हाल ही में हुई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

■ पश्चिम एशिया में जारी जंग के रुकने के आसार नजर आ रहे हैं। दरअसल, अमेरिका और ईरान के बीच पिछले दो दिन की वार्ता के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा प्लांट्स पर हमले के अपने आदेश को अगले पांच दिन तक रोकने के निर्देश दिए हैं।

ईरान ने इजराइल और यूएस बेस पर 76वीं बार हमला किया

ईरान ने कहा है कि उसने इजराइल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों के खिलाफ 76वीं बार जवाबी हमला किया है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) के मुताबिक, इनमें अल धफरा एयरबेस, प्रिंस सुल्तान एयरबेस और US फिफ्थ फ्लीट जैसे अहम ठिकानों को निशाना बनाया गया। IRGC ने कहा कि इन हमलों में कियाम और जुल्फिकार मिसाइलों के साथ ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा, इजराइल के तेल अवीव, हाइफा, अश्केलोन और गुश डान इलाके भी निशाने पर रहे।

ट्रम्प बोले- ईरान की नई लीडरशिप में अमेरिका का रोल होगा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ने ईरान के लीडरशिप को लेकर भी चर्चा की है। उन्होंने संकेत दिया कि ईरान में सत्ता बदलाव हो सकता है।

ट्रम्प के मुताबिक, ईरान में नई लीडरशिप हो सकती है और इसमें अमेरिका की भूमिका भी हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि वहां ज्वाइंट लीडरशिप यानी कई लोगों की मिलकर सरकार बनने का विकल्प भी सामने आ सकता है। उन्होंने यह भी इशारा किया कि ऐसा मॉडल वैसा हो सकता है जैसा अमेरिका ने वेनेजुएला के मामले में अपनाने की कोशिश की थी।

> ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, 'मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले दो दिनों में, संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच मध्य पूर्व में हमारी आपसी दुश्मनी को पूरी तरह से खत्म करने के संबंध में बहुत अच्छी और सार्थक बातचीत हुई है।'

ट्रम्प का दावा- ईरान ने खुद आगे बढ़कर बातचीत की

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान ने खुद आगे बढ़कर बातचीत की पहल की है और दोनों देश समझौता करना चाहते हैं। फ्लोरिडा में पत्रकारों से बातचीत में ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने ईरान के शीर्ष नेतृत्व से संपर्क किया है और हालात तेजी से बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष इस जंग को खत्म करने के लिए डील की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और जल्द ही कोई समाधान निकल सकता है। ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने भी ईरानी अधिकारियों से बातचीत की है। >> (शेष पेज 06 पर)

एलपीजी ला रहे दो भारतीय टैंकरों ने होर्मुज पार किया

मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच भारत के लिए LPG लेकर आ रहे दो टैंकरों ने होर्मुज स्ट्रेट पार कर लिया है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, पाइन गैस और जग वसंत नाम के ये दोनों भारतीय टैंकर इस संवेदनशील समुद्री रास्ते से सुरक्षित निकलने में सफल रहे। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, पाइन गैस पहले स्ट्रेट पार कर गया, जबकि जग वसंत उसके पीछे-पीछे आगे बढ़ा। गौरतलब है कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जंग के चलते होर्मुज स्ट्रेट में आवाजाही लगभग ठप हो गई है और सैकड़ों जहाज अब भी खाड़ी के अंदर फंसे हुए हैं। ऐसे में इन टैंकरों का पार होना भारत के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, क्योंकि देश में LPG की सप्लाई पर दबाव बना हुआ है।

जर्मन चांसलर बोले- ईरानी पावर प्लांट्स पर हमले टालना सही

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने ईरान के पावर प्लांट्स पर हमले टालने के अमेरिकी फैसले को सही कदम बताया है। बर्लिन में पत्रकारों से बातचीत में मर्ज ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से बात की थी और अपनी चिंता जाहिर की थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

14 किग्रा सिलेंडर को 10 करने की खबर अफवाह

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा- सप्लाई पूरी तरह नॉर्मल

राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पेट्रोलियम मंत्रालय ने 14.2 किलो वाले घरेलू LPG गैस सिलेंडर में 10 किलो गैस भरकर देने की खबर को अफवाह बताया है। मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने बताया कि घरेलू LPG की सप्लाई पूरी तरह सामान्य है और लोगों को अफवाहों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है।

सोमवार को प्रेस ब्रीफिंग में मंत्रालय ने ये भी बताया कि, होर्मूज रूट पार कर दो टैंकर 92,700 मीट्रिक टन गैस लेकर भारत की ओर रवाना हो गए हैं। इससे पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सरकारी तेल कंपनियां (OMCs) 14.2 किलो वाले घरेलू LPG गैस सिलेंडर में 10 किलो गैस भरकर देने की तैयारी कर रही है।

■ होर्मुज से दो और एलपीजी गैस टैंकर रवाना

सरकार के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों में गैस की कमी के डर से लोगों ने तेजी से एडवांस बुकिंग (पैनिक बुकिंग) शुरू कर दी थी। अब इसमें कमी आई है। पहले जो बुकिंग का आंकड़ा 88 लाख तक पहुंच गया था, वह अब घटकर लगभग 50 लाख के आसपास आ गया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

मोदी 100% ट्रम्प के कंट्रोल में हैं : राहुल

राहुल आदिवासी अधिकार संवाद कार्यक्रम में शामिल

भाषण

तमसा संकेत, एजेंसी

वडोदरा । राहुल गांधी ने सोमवार को वडोदरा में कहा कि प्रधानमंत्री ने लोकसभा में 25 मिनट का भाषण दिया है लेकिन अमेरिका के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला। मोदी 100% ट्रम्प के कंट्रोल में हैं। मोदी पार्लियामेंट में डिबेट नहीं कर सकते, क्योंकि कम्प्रोमाइज्ड हैं।

अमेरिका में अडाणी पर जो केस है असल में वो नरेंद्र मोदी को धमकाने के लिए है। अमेरिका का नरेंद्र मोदी को सीधा मैसेज है कि ज्यादा ऊटपटांग हरकत की तो समझ लेना। ट्रम्प ने साफ कहा है- मैं मोदी का करियर खत्म कर सकता हूं। नरेंद्र मोदी ने ट्रम्प से कहा- हम आपसे पूछे बिना किसी से तेल और नेचुरल गैस नहीं खरीदेंगे।

■ दावा किया- मोदी ने ट्रम्प से कहा कि बिना पूछे किसी से तेल नहीं खरीदेंगे

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

4 महीने बाद जेल से बाहर आए अनंत सिंह

पटना । मोकामा से जदयू विधायक और बाहुबली नेता अनंत सिंह 4 महीने बाद सोमवार 23 मार्च को बेऊर जेल से बाहर आए। जेल से बाहर आते ही उनके समर्थकों ने नारेबाजी की। बाहुबली लैंड क्रूजर से जेल से घर के लिए निकले। उनके साथ 50 गाड़ियों का काफिला था।

विचार | सुनवाई

एससी बिल्डिंग पर राष्ट्रीय प्रतीक लगाने की मांग

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की बिल्डिंग के गुंबद पर राष्ट्रीय प्रतीक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि यह मामला न्यायिक नहीं, बल्कि प्रशासनिक स्तर पर विचार का विषय है। यह याचिका बदरवाड़ा वेणुगोपाल उर्फ बरा खतरनाक की तरफ से दायर की गई थी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने याचिका पर सुनवाई की। CJI ने सुनवाई के दौरान कहा कि सुप्रीम कोर्ट की नई बिल्डिंग बन रही है और इस मुद्दे पर उस समय विचार किया जा सकता है।

जम्मू यूनिवर्सिटी में जिन्ना से जुड़े टॉपिक्स हटाने की सिफारिश

जम्मू । जम्मू यूनिवर्सिटी में एमए पॉलिटिकल साइंस के सिलेबस से मोहम्मद अली जिन्ना, सर सैयद अहमद खान और मोहम्मद इकबाल से जुड़े टॉपिक्स हटाने की सिफारिश की गई है। यह सिफारिश विभागीय मामलों की समिति ने की है। अब इस पर अंतिम फैसला 24 मार्च को बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक में होगा।

आरोप : चुनाव आयोग के दस्तावेज पर बीजेपी की सील

पार्टी बोली- यह निष्पक्षता पर सवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/गुवाहाटी/कोलकाता । चुनाव आयोग के एक दस्तावेज पर BJP की सील लगी मिली है। CPI (M) केरल ने इसे चुनावी संस्थाओं की निष्पक्षता के लिए खतरा बताया है। पार्टी का कहना है कि चुनाव आयोग ने जो पत्र राजनीतिक दलों को भेजा, उसके साथ लगे एफिडेविट पर BJP की सील थी। यह सिर्फ संयोग नहीं है और इससे संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (CEO) ने इस पर सफाई देते हुए इसे क्लेरिकल एरर बताया है। उनका कहना है कि BJP केरल यूनिट ने 2019 की गाइडलाइन की एक कॉपी दी थी, जिस पर पहले से पार्टी का सील लगी थी। यही कॉपी गलती से दूसरी पार्टियों को भेज दी गई।

■ आयोग की सफाई- यह क्लेरिकल एरर

CEO कार्यालय ने बताया कि जैसे ही गलती का पता चला, 21 मार्च को उस दस्तावेज को वापस ले लिया गया। इसकी जानकारी सभी राजनीतिक दलों और अधिकारियों को दे दी गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

पश्चिम-एशिया संकट : नागरिक-एनर्जी ठिकानों पर हमले का विरोध किया

होर्मुज का रास्ता रोकना नामंजूर : मोदी

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में जंग के हालातों पर पीएम मोदी ने पहली बार सार्वजनिक बयान दिया। लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच में उन्होंने कहा कि तनाव खत्म होना चाहिए। बातचीत से ही समस्या का समाधान है।

पीएम ने कहा कि नागरिकों और पावर प्लांट पर हमले मंजूर नहीं हैं। होमुर्ज का रास्ता रोकना स्वीकार नहीं होगा। पीएम ने कहा- 'सरकार की कोशिश है कि देश में तेल-गैस संकट न हो। इसके लिए 27 की जगह अब 41 देशों से इंपोर्ट कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में एक करोड़ भारतीय रहते हैं। उनकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।' उन्होंने बताया कि अभी 3 लाख 75 हजार भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं। ईरान से ही हजार भारतीय सुरक्षित लौटे हैं। 700 से ज्यादा मेडिकल की पढ़ाई करने वाले युवा हैं।

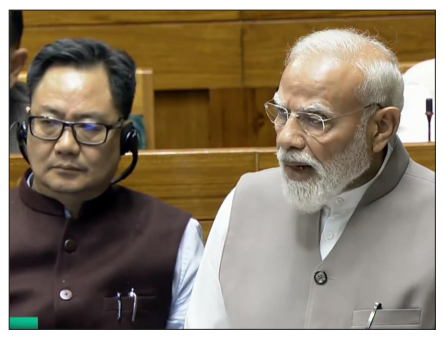

■ पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया जंग को लेकर पहली बार संसद में बयान दिया।

■ पश्चिम एशिया संघर्ष पर संसद में पीएम मोदी के बयान पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- उन्होंने देश को मौजूदा हालात से अवगत कराया है। इस मुद्दे पर संसद में चर्चा होनी चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा कि 11 साल में देश में अपने सोलर पावर कैपिसिटी 140 गीगा वॉट तक पहुंचाई है। 40 लाख रूफ टॉप सोलर पैनल लगे हैं। गोवर्धन योजना के तहत 200 बायोगैस प्लांट काम कर रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

41 देशों से तेल-गैस इंपोर्ट कर रहे : मोदी

जमाखोरी करने वालों पर तुरंत एक्शन लिया जाएगा

वेस्ट एशिया विवाद पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- हमें हर चुनौती का सामना सब्र, संयम और शांत मन से करना चाहिए। यही हमारी पहचान है, यही हमारी ताकत है। हमें बहुत सावधान और सतर्क भी रहना चाहिए। जो लोग हालात का फायदा उठाना चाहते हैं वे झूठ फैलाने की कोशिश करेंगे। हमें उनकी कोशिशों को कामयाब नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं देश की सभी राज्य सरकारों से भी सदन के माध्यम से आग्रह करूंगा ऐसे समय में कालाबाजारी करने वाले जमाखोरी करने वाले एक्टिव हो जाते हैं। इसके लिए कड़ी मॉनीटरिंग जरूरी है। जहां से खबर मिले वहां एक्शन लेना होगा। >> (शेष पेज 06 पर)

बैठक : योगी कैबिनेट की किसानों को सौगात, उतराई-सफाई का भी मिलेगा पैसा, 37 प्रस्तावों पर मुहर

गेहूं का एमएसपी बढ़ा

6500

■ केंद्रों पर प्रदेश में 30 मार्च से खरीद शुरू होगी। कुल 37 प्रस्तावों पर मुहर लगी है।

हेमन्त कृष्णा

तमसा संकेत, लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को लोकभवन में संपन्न हुई कैबिनेट बैठक में कुल 39 प्रस्ताव पेश किए गए, जिनमें से 37 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई है, जबकि 2 प्रस्तावों (प्रस्ताव संख्या 20 और 21) को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। इस बैठक का सबसे बड़ा केंद्र बिंदु प्रदेश के किसान रहे। सरकार ने आगामी रबी विपणन सत्र के लिए गेहूं खरीद की नीति स्पष्ट कर दी है, जिससे अन्नदाताओं की आय में सीधा इजाफा होगा। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कैबिनेट बैठक के बाद किसानों से जुड़े फैसले के बारे में जानकारी दी। कैबिनेट बैठक में यह भी सुनिश्चित किया गया है कि किसानों को भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो। खरीद प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन रखा गया है और भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों (DBT) के माध्यम से किया जाएगा। 37 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगने से न केवल कृषि क्षेत्र, बल्कि प्रदेश के बुनियादी ढांचे और निवेश की योजनाओं को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। कैबिनेट ने ऊर्जा विभाग के एक बेहद महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर मुहर लगाई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

खरीद का लक्ष्य और समय सीमा

उत्तर प्रदेश सरकार ने इस सीजन में 30 लाख टन गेहूं खरीद का प्रारंभिक लक्ष्य रखा है, हालांकि अधिकारियों का अनुमान है कि यह आंकड़ा 50 लाख टन तक पहुंच सकता है। गेहूं की सरकारी खरीद 30 मार्च से शुरू होकर 15 जून तक चलेगी। किसानों की सुविधा के लिए पूरे प्रदेश में 6500 क्रय केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि उन्हें अपनी उपज बेचने के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े।

गेहूं का नया एमएसपी और अतिरिक्त बोनस

कैबिनेट के फैसले के अनुसार, इस साल गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) 2585 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। यह पिछले साल की तुलना में 160 रुपए प्रति क्विंटल ज्यादा है। बड़ी राहत की बात यह है कि किसानों को अब केवल एमएसपी ही नहीं मिलेगा, बल्कि गेहूं की उतराई, सफाई और छनाई के लिए सरकार की ओर से 20 रुपये प्रति कुंतल का अतिरिक्त भुगतान भी किया जाएगा। इसका मतलब है कि किसानों के खातों में प्रति कुंतल अधिक राशि भेजी जाएगी।

ज्यूडिशियरी हद से ज्यादा सख्त हो रही : एससी जज

यह विकसित भारत का आदर्श नहीं हो सकता

निंदा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने कहा कि ज्यूडिशियरी के कुछ हिस्से 'मोर लॉयल देन द किंग सिंड्रोम' से ग्रस्त हैं। यानी ये हिस्से राजा से भी ज्यादा वफादार होने की प्रवृत्ति अपना चुके हैं। इसके कारण ही लोग महीनों तक जेलों में सड़ते रहते हैं। जस्टिस भुइयां ने यह बात रविवार को बेंगलुरु में हुए सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की पहली नेशनल समिट के दौरान कही। 'विकसित भारत में न्यायपालिका की भूमिका' विषय पर पैनल डिस्कशन के दौरान जस्टिस भुइयां ने कहा- कुछ मामलों में सिस्टम इतना ज्यादा सख्त हो रहा है कि जरूरत से ज्यादा केस दर्ज हो रहे हैं। बार एंड बेंच की एक खबर के मुताबिक जस्टिस भुइयां ने सरकार और न्यायपालिका के संबंधों, PMLA, UAPA कानूनों के जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल पर भी अपनी बात रखी।

■ यूएपीए और पीएमएलए एक्ट का जरुरत से ज्यादा इस्तेमाल उनकी वैल्यू घटा रहा

>> (शेष पेज 06 पर)

लाखों लोगों को मिलेगी राहत, ऐतिहासिक भवन संवरेंगे, 1435 करोड़ से बनेगा इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर

तीन फ्लाईओवर मंजूर

मंजूरी

- कैबिनेट के इस परियोजना पर लगभग 305.31 करोड़ रुपए खर्च होंगे।
- दुबग्गा चौराहे पर 3 लेन फ्लाईओवर को मंजूरी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में 35 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई, जिनमें प्रदेश की राजधानी लखनऊ से जुड़े कई बड़े फैसले शामिल हैं। इसमें ऐतिहासिक भवनों के संरक्षण, इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर के निर्माण और दुबग्गा फ्लाईओवर जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को हरी झंडी मिलने से राजधानी के लोगों को राहत मिलेगी।

इंटरनेशनल एग्जीबिशन-सह-कन्वेंशन सेंटर 10 हजार लोगों की क्षमता वाला कन्वेंशन हॉल और 2500 लोगों की क्षमता का ऑडिटोरियम बनेगा।

कैबिनेट ने लखनऊ के ऐतिहासिक भवन रोशनउद्दौला और छतर मंजिल को हेरिटेज पर्यटन इकाइयों के रूप में विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

इन भवनों को पीपीपी मॉडल के तहत 'एडाप्टिव री-यूज' के जरिए विकसित किया जाएगा। इसके लिए संबंधित नजूल भूमि को पर्यटन विभाग के नाम निःशुल्क हस्तांतरित किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य इन ऐतिहासिक धरोहरों को संरक्षित करते हुए पर्यटन को बढ़ावा देना है। कैबिनेट ने लखनऊ-हरदोई मार्ग पर दुबग्गा चौराहा पर 1811.72 मीटर लंबे 3 लेन फ्लाईओवर के निर्माण को मंजूरी दी है। इस परियोजना पर लगभग 305.31 करोड़ रुपए खर्च होंगे। दुबग्गा चौराहा राजधानी का प्रमुख ट्रैफिक जंक्शन है, जहां कानपुर बाईपास, हरदोई, सीतापुर, मलिहाबाद और अन्य मार्गों से आने-जाने वाले वाहनों के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है।

फ्लाईओवर के निर्माण से दुबग्गा चौराहे पर लगने वाले जाम से राहत मिलेगी। इससे यात्रा समय कम होगा, ईंधन की खपत घटेगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी। यह परियोजना राजधानी के ट्रैफिक प्रबंधन को बेहतर बनाने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

बड़े आयोजनों और डिफेंस एक्सपो के लिए विशेष सुविधा

प्रस्तावित कन्वेंशन सेंटर में बड़ी पार्किंग, उच्च स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के विशेष प्रबंध किए जाएंगे। यहां एक साथ 5000 लोगों के भोजन और जलपान की व्यवस्था भी होगी। डिफेंस एक्सपो जैसे आयोजनों के लिए टैंक और तोप जैसे भारी उपकरणों के प्रदर्शन की सुविधा भी विकसित की जाएगी। आगंतुकों की सुविधा के लिए पास में 5 स्टार और बजट होटल का भी प्रावधान रखा गया है।

कैबिनेट के इस परियोजना पर लगभग 305 .31 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

1435 करोड़ की लागत से बनेगा इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर

राजधानी के वृंदावन योजना सेक्टर-15 में इंटरनेशनल एग्जीबिशन-सह-कन्वेंशन सेंटर के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना की संशोधित लागत 1435.25 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है, जो पहले 1297.42 करोड़ रुपये थी। ईपीसी मोड पर बनने वाले इस सेंटर में 10 हजार लोगों की क्षमता वाला कन्वेंशन हॉल और 2500 लोगों की क्षमता का ऑडिटोरियम होगा। इसे बड़े और छोटे दोनों प्रकार के आयोजनों के लिए उपयोगी बनाया जाएगा।

प्रदेश में 30 मार्च से 15 जून, 2026 तक होगी गेहूं की सरकारी खरीद

तमसा संकेत, संवाददाता

- किसानों को उतराई, छनाई और सफाई के मद में 20 रुपये प्रति क्विंटल अतिरिक्त दिया जाएगा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक के उपरांत कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रेस वार्ता में बताया कि खाद्य एवं रसद विभाग के प्रस्ताव के अनुसार इस वर्ष भारत सरकार द्वारा गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2,585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। यह मूल्य पिछले वर्ष की तुलना में 160 रुपये प्रति क्विंटल अधिक है। प्रदेश में गेहूं की सरकारी खरीद 30 मार्च, 2026 से प्रारम्भ होकर 15 जून, 2026 तक चलेगी।

कृषि मंत्री ने जानकारी दी कि राज्य के सभी 75 जनपदों में कुल 6,500 क्रय केंद्र संचालित किए जाएंगे। खरीद प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए कुल 8 एजेंसियां नामित की गई हैं, जिनमें एफ.सी.आई., खाद्य और रसद विभाग की मार्केटिंग शाखा, उत्तर प्रदेश मंडी परिषद, पी.सी.एफ., पी.सी.यू., यू.पी.एस.एस., नेफेड, एन.सी.सी.एफ. और भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ मर्यादित शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इस बार कृषि उत्पादक संगठनों (FPO) और कृषि उत्पादक कंपनियों (FPC) को भी क्रय एजेंसियों के माध्यम से खरीद की अनुमति दी गई है, बशर्ते उनके खाते में 20 लाख रुपये की धनराशि हो और उनका पंजीकरण एक वर्ष पुराना हो। सरकार ने किसानों के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए उतराई, छनाई और सफाई के मद में 20 रुपये प्रति क्विंटल अतिरिक्त देने का प्रावधान किया है।

फास्ट न्यूज

नए पार्षदों ने कहा- हर वार्ड में करेंगे विकास

लखनऊ । लखनऊ नगर निगम मुख्यालय में शासन की तरफ से नामित 10 पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह हुआ। मेयर सुषमा खर्कवाल ने पार्षदों को शपथ दिलाई। समारोह में नगर आयुक्त गौरव कुमार भी मौजूद रहे। मेयर और नगर आयुक्त ने पार्षदों को माला पहनाकर और लड्डू खिलाकर बधाई दी। लखनऊ नगर निगम में शपथ लेने के बाद नामित पार्षदों ने अपनी-अपनी प्राथमिकताएं सामने रखीं और शहर के विकास के लिए मिलकर काम करने की बात कही।

गोमती नदी में हजारों मछलियां मरीं

बख्शी का तालाब । इटौंजा इलाके के हीरापुरम में गोमती नदी में हजारों मछलियां मर गईं। लोगों ने इसकी पुलिस को सूचना दी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। स्थानीय लोगों ने बताया कि रविवार को मछलियां मरनी शुरू हुईं। सोमवार दोपहर तक हजारों मछलियां मर गईं। इससे तेज बदबू उठने लगी।

स्थानीय निवासी दीपक कुमार तिरंगा महाराज ने इस संबंध में इटौंजा थाने में शिकायत दी है। उसमें बताया है कि हजारों मछलियां मर गई हैं। इससे नदी का पानी दूषित हो गया है। इससे अन्य जीव-जंतु को नुकसान हो रहा है।

शाइन सिटी के निदेशक समेत 4 पर एफआईआर

लखनऊ । लखनऊ के गोमतीनगर थाने में शाइन सिटी कंपनी के निदेशक राशिद नसीम समेत 4 लोगों के खिलाफ 16.41 लाख रुपए की ठगी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर की है।

हजरतगंज के गुरु रविदास नगर निवासी मुकेश कुमार ने बताया कि वर्ष 2017 में उनकी मुलाकात कंपनी के अधिकारी विक्रम सिंह यादव से हुई थी।

आलू किसानों को हुआ भारी नुकसान

किसानों पर भाजपा सरकार की नीतियों का साया, अखिलेश यादव ने उठाए गंभीर सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में किसान बर्बाद हो गया है। उन्होंने बताया कि आगरा, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, इटावा, एटा समेत कई जिलों में आलू किसानों को भारी नुकसान हुआ। आलू की कीमत इतनी कम रही कि किसानों ने फसल खुदाई के बजाय ट्रैक्टर से खेत जुताई करा दी। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण जनता को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है। नोटबंदी, खाद और अब रसोई गैस के लिए लंबी लाइनें लग रही हैं। शहरों में गैस एजेंसियों पर लोग घंटों खड़े हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर युद्ध लंबा चला, तो रसोई गैस संकट और महंगाई और बढ़ सकती है। उन्होंने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि गोरखपुर, वाराणसी, मथुरा और बदायूं जैसी घटनाओं ने साबित कर दिया कि अपराधियों और आरोपियों को बचाया जा रहा है। गोरखपुर की घटना में भाजपा के एक राज्यसभा सदस्य के बयान को उन्होंने गंभीर मामला बताया। अगर दोषी नहीं पकड़े गए और सच्चाई उजागर नहीं हुई, तो वह राज्यसभा में इसे सामने लाएंगे।

- यादव ने सवाल उठाया कि सरकार ने आलू खरीदने के लिए कितना बजट आवंटित किया था और कितना जमीन पर इस्तेमाल हुआ।

सरकारी वादों और निवेश पर उठे सवाल

गोमती नगर स्थित लोहिया पार्क में डॉ. राम मनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार झूठे वादे करती है। एमओयू और निवेश के प्रचार में भी सच्चाई नहीं है। उन्होंने पूछा कि कितने एमओयू जमीन पर लागू हुए, कितने लोगों को रोजगार मिला और निवेश के लिए कितनी इंसेंटिव राशि दी गई।

रसोइयों का प्रतिनिधमंडल शिक्षा महानिदेशक से मिला, रखा पक्ष

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। विधा भवन लखनऊ में रसोइयों का 3 सदस्य प्रतिनिधि मंडल ने रसोइयों की मांगों को लेकर महानिदेशक स्कूल शिक्षा से मुलाकात कर की वार्ता वार्ता में मुख्य रूप से रसोइयों को मानदेय 10000 प्रतिमाह 10 से 11 माह का देने। छात्र संख्या कम होने पर पूर्व से कार्यरत रसोइयों को न हटाने। कई वर्षों से कार्यरत अनुभवी रसोइयों को पाल्य के नाम पर न हटाने के संबंध में समस्त जिलाधिकारी व समस्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को लिखित रूप में आदेशित निर्देशित करने की मांग महानिदेशक के समक्ष मुख्य रूप से रखी गई।

वार्ता में महानिदेशक मोनिका रानी ने संगठन को बताया रसोइयों को न हटाने के संबंध में समस्त जिलाधिकारी को जारी होगा पत्र।

- रसोइयों की सेवा नियमावली बनाने, अन्य कर्मचारियों की भांति रसोइयों को भी आकस्मिक एवं मातृत्व प्रसूति अवकाश स्वीकृत करने।

रसोइयों का मानदेय बढ़ाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है जो शीघ्र पूरी होने वाली है मानदेय वृद्धि की घोषणा जल्द सरकार द्वारा की जाएगी। वार्ता में मुख्य रूप से कैलाश कुमार प्रांतीय अध्यक्ष रसोईया जन कल्याण समिति उत्तर प्रदेश एवं प्रदेश महामंत्री संयुक्त रसोईया मोर्चा उत्तर प्रदेश। रामकुमार गौतम प्रांतीय महामंत्री रसोइया जन कल्याण समिति उत्तर प्रदेश, संजू तिवारी प्रांतीय महामंत्री रसोइया जनकल्याण समिति उत्तर प्रदेश उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनता दर्शन में सुनीं सैकड़ों फरियादियों की शिकायतें

जनता की समस्याओं पर की जाय त्वरित कार्रवाही, जिम्मेदारी तय करने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तरप्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय,7-कालीदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों से आए सैकड़ों फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित एवं सम्पूर्ण समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि "हर व्यक्ति की हर समस्या का हर सम्भव निदान सुनिश्चित किया जाएगा"। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक प्रकरण को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए तथा समाधान ऐसा हो कि पीड़ित व्यक्ति को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने विशेष रूप से भूमि विवाद, अवैध कब्जे, उत्पीड़न, दुर्घटनाओं, विद्युत, सड़क निर्माण, आवास आवंटन, शिक्षा एवं स्वास्थ्य से जुड़े मामलों को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए कहा कि किसी भी प्रकरण में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार्य नहीं होगी। जहां आवश्यकता हो, वहां कठोर कार्रवाही भी सुनिश्चित की जाए।

उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण हेतु जवाबदेही तय की जाए और कार्यवाही की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, जिससे शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके।

> जनता दर्शन के दौरान उप मुख्यमंत्री ने स्वयं आगे बढ़कर फरियादियों से संवाद स्थापित किया और एक-एक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। उन्होंने कई मामलों में संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर तत्काल आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

महिलाओं, दिव्यांगजनों एवं बुजुर्गों की समस्याओं को विशेष प्राथमिकता

जनसुनवाई के दौरान महिलाओं, दिव्यांगजनों एवं बुजुर्गों की समस्याओं को विशेष प्राथमिकता देते हुए उनके प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने भूमि पर कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, अभियुक्तों की गिरफ्तारी, सड़क एवं बिजली से संबंधित समस्याओं सहित अनेक समस्यायें रखी, जिन पर उप मुख्यमंत्री ने तत्परता दिखाते हुए अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाही के निर्देश दिए।

कार्यक्रम के दौरान यह भी सुनिश्चित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो, जिससे आमजन में शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो सके।

केशव प्रसाद मौर्य ने महिला शक्ति केन्द्र का किया शुभारम्भ

तमसा संकेत, संवाददाता

- महिला शक्ति केंद्र महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण के जीवंत केंद्र साबित होंगे
  - केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन व अन्य सहयोगी संस्थाओ के माध्यम से प्रदेश के 100 विकास खण्डो मे स्थापित किये जा रहे महिला शक्ति केन्दो का बटन दबाकर होटल हयात रिजेन्सी गोमतीनगर मे आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम मे शुभारम्भ किया।प्रथम चरण मे प्रदेश मे 100 महिला शक्ति केन्द्र संचालित किये जायेगे।मिशन शक्ति की तर्ज पर विकास खण्ड स्तर पर महिला शक्ति केन्द्र संचालित होगे।

इस अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला को सम्बोधित करते हुये उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कार्यक्रम है, और पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रदेश के 100 विकास खण्डो मे इसकी शुरुआत की जा रही है। इसको हमें हर हाल में सफल बनाना है।

महिला शक्ति केन्द्र की स्थापना कर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ने लैंगिक समानता को अपने कार्य का अभिन्न अंग बनाते हुए महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के लिए जेंडर रिसोर्स सेंटर बनाने की पहल की है। यह पहल सतत विकास लक्ष्यों, लैंगिक समानता और समावेशी आर्थिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अभियान : आम आदमी पार्टी की छात्र विंग का शहीद दिवस पर प्रदेशव्यापी शिक्षा अभियान, युवाओं का उफनता जनसमर्थन

एएसएपी अभियान से शिक्षा की नई क्रांति की शुरुआत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश की छात्र विंग ASAP द्वारा शहादत दिवस के अवसर पर प्रदेश के युवाओं को संगठित करने, शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को मजबूत करने तथा शहीद-ए-आजम भगत सिंह और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा युवाओं को दिए गए संदेश और उनके विचारों को विश्वविद्यालयों में छात्रों और युवाओं के बीच पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेशव्यापी अभियान की शुरुआत सोमवार को की गई। पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आवाह्न पर ललितपुर, गाजियाबाद, बहराइच, बागपत, जालौन, मुजफ्फरनगर, चंदौली, वाराणसी, आगरा, बदायूं, मैनपुरी, मेरठ, कानपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में छात्र-युवा कार्यकर्ताओं ने जोरदार कार्यक्रम आयोजित किए। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ में इस अभियान की शुरुआत आम आदमी पार्टी की छात्र विंग ASAP के प्रदेश महासचिव अनित रावत द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के ओल्ड कैंपस से की गई। इस अवसर पर अनित रावत ने कहा कि ASAP अभियान के तहत संगठन के कार्यकर्ता प्रदेश के विभिन्न जिलों में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम, संवाद और जनसंपर्क अभियान चलाएंगे, ताकि शिक्षा को लेकर समाज में नई चेतना और जागरूकता पैदा की जा सके। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान छात्रों और युवाओं ने शहीद भगत सिंह और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों पर गंभीर चर्चा की और संकल्प लिया कि इन विचारों को गांव-गांव और गली-गली तक पहुंचाया जाएगा, जिससे एक जागरूक, शिक्षित और समानता आधारित समाज का निर्माण संभव हो सके।

- शिक्षा के सवाल पर सड़कों पर उतरी आप छात्रविंग, हर घर तक शिक्षा की मशाल पहुंचाने का लिया संकल्प
- लखनऊ में एलयू से शुरु हुआ एएसएपी का शहादत दिवस अभियान, युवाओं तक भगत सिंह और बाबा साहब के विचार पहुंचाने का संकल्प
- शिक्षा संस्थानों में लोकतांत्रिक मूल्यों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचलने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी
- भगत सिंह और बाबा साहब के विचार हर गांव तक पहुंचाएंगे: अनित रावत

अनित रावत ने दिया भाषण

इस मौके पर अनित रावत ने कहा कि शहीद भगत सिंह ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर युवाओं को अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा दी, वहीं बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों की मजबूत नींव रखी। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज की सत्ता इन विचारों को मजबूत करने के बजाय उन्हें कमजोर करने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सुनियोजित तरीके से युवाओं को शिक्षा, रोजगार और समान अवसर जैसे असली मुद्दों से भटका रही है।

बामसेफ का जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन सम्पन्न

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ जिले का बामसेफ एवं भारत मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में ज़िला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का सफलता पूर्वक आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रशिक्षक राम सुभावन राजवंशी, प्रदेश प्रभारी, इंडियन मेडिकल प्रोफेशन एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश बहुत ही प्रभावी तरीके से प्रशिक्षण के उद्देश्यों

1.ओबीसी की जाति आधारित जनगणना

2.EVM मशीन के द्वारा वोट चोरी

3.चलो गांव की ओर

4.समर्पित कार्यकर्ता के लक्षण

5.बूथ लेवल कमेटी का निर्माण

बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए व्याख्या किया।

कार्यक्रम की उद्घाटक माननीय प्रोफेसर पुष्पा यादव मैडम, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष राष्ट्रीय मूलनिवासी महिला संघ, उत्तर प्रदेश, मुख्य अतिथि प्रोफ़ेसर डॉ उमा शंकर, ज़िला अध्यक्ष बामसेफ, लखनऊ, विशेष अतिथि रामधनी सर, प्रदेश उपाध्यक्ष, बामसेफ उत्तर प्रदेश, कार्यक्रम का संचालन विद्याशंकर, ज़िला अध्यक्ष राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, लखनऊ ने किया।

कार्यक्रम को प्रभावी स्वरूप प्रदान करने वाले बामसेफ कार्यकर्ता आज़ाद बहादुर, मैनेजर IDBI बैंक, अंबेडकरनगर के आवास सेक्टर 20 A , वृंदावन कॉलोनी लखनऊ पर आवश्यक सुविधाओं को प्रदान करते हुए बहुत ही सम्मान जनक तरीके से सभी का स्वागत करते हुए मेजबानी किया। विद्यार्थी मोर्चा के तेजतर्रार कार्यकर्ता संदीप ने भी उद्देश्यों पर वार्ता किया। कार्यक्रम में इंडियन लीगल प्रोफेशनल एसोसिएशन के वरिष्ठ कार्यकर्ता एडवोकेट परशुराम कन्नौजिया, एडवोकेट दिलीप कुमार, 90 वर्ष के बहुत ही वरिष्ठ कार्यकर्ता चौरसिया, अमरनाथ, पीजीआई, सामाजिक कार्यकर्ता, चंदन सामाजिक कार्यकर्ता, महेन्द्र प्रताप यादव, इंजीनियरिंग सुभाष चंद्र, डॉक्टर अशोक कुमार रवि, बच्चन लाल इत्यादि सभी लोगों ने प्रतिभागिता किया।

केंद्रीय विद्यालय निर्माण को गति

मांग

दिल्ली में हुई बैठक, औपचारिकताएं जल्द पूरी करने के निर्देश

- सिझौली में 5 एकड़ जमीन चिन्हित
- पूर्व औपचारिकताएं पूरी, अब मंजूरी का इंतजार

बृजेन्द्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। अकबरपुर में केंद्रीय विद्यालय के निर्माण को लेकर पहल तेज हो गई है। भाजपा नेता विवेक मौर्य और एसडीएम अकबरपुर विशाल सारस्वत ने सोमवार को दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात कर विद्यालय की स्थापना का मुद्दा उठाया।

स्थानीय प्रशासन ने विद्यालय निर्माण के लिए अकबरपुर के सिझौली क्षेत्र में 5 एकड़ भूमि चिन्हित कर ली है। इस संबंध में

शिक्षा मंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल

> बैठक में केंद्रीय विद्यालय के निर्माण से जुड़ी लंबित औपचारिकताओं को जल्द पूरा करने का आग्रह किया गया। इस पर शिक्षा मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को प्रक्रिया तेजी से पूरी करने के निर्देश दिए।

अनापत्ति प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया गया है। प्रशासन ने यह भी प्रस्ताव दिया है कि स्थायी भवन बनने तक अस्थायी रूप से जीजीआईसी के नए परिसर में कक्षाएं संचालित की जा सकती हैं। इसके लिए आवश्यक कमरों की पहचान कर ली गई है। केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से मांगे गए सभी प्रपत्र और अभिलेख तैयार कर संबंधित कार्यालय को भेजे जा चुके हैं। नगर पालिका परिषद अकबरपुर ने भूमि चयन की प्रक्रिया पूरी कर प्रस्ताव अग्रसारित किया है। अब अंतिम मंजूरी के बाद निर्माण प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। केंद्रीय विद्यालय के शुरू होने से जिले के छात्रों को गुणवत्ता-पूर्ण शिक्षा का अवसर मिलेगा। साथ ही बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी। बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री का आभार जताया।

जिलाधिकारी का पत्र और दस्तावेज सौंपे

प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री को जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला का पत्र और सभी आवश्यक दस्तावेज सौंपे। इसमें केंद्रीय विद्यालय की स्थापना से जुड़ी प्रगति और तैयारियों की जानकारी दी गई।

विवेक मौर्य ने बताया कि जिले में केंद्रीय विद्यालय की मांग लंबे समय से की जा रही है। छात्रों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए इसका निर्माण जरूरी है।

वीएम पब्लिक स्कूल महापारा में वार्षिक समारोह का हुआ आयोजन

देशभक्ति कार्यक्रमों ने किया प्रभावित, ओलंपियाड विजेताओं को सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। कटहरी क्षेत्र के महापारा स्थित वीएम पब्लिक स्कूल में वार्षिक समारोह और होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में छात्र-छात्राओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों का ध्यान आकर्षित किया।

कार्यक्रम में छात्रों ने देशभक्ति पर आधारित प्रस्तुतियां दीं। 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'कुछ राम कभी न लौटे' विषय पर मंचन प्रमुख आकर्षण रहा। प्रस्तुतियों को दर्शकों ने सराहा।

विद्यालय प्रबंधन की ओर से फिल्म गीतकार मनोज मुंतशिर शुक्ला का संदेश मोबाइल के माध्यम से सुनाया गया, जिसमें बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री और कटहरी विधायक धर्मराज निषाद मुख्य अतिथि रहे।

कादीपुर विधायक राजेश गौतम ने छात्रों को मेहनत करने की सलाह दी और भविष्य में प्रशासनिक सेवाओं में चयन की उम्मीद जताई। अन्य अतिथियों ने भी छात्रों के प्रदर्शन की सराहना की। समारोह में विद्यालय और जिला स्तरीय ओलंपियाड के सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। हाईस्कूल में जिले में सातवीं रैंक हासिल करने वाली तमन्ना खातून को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। जिला स्तरीय ओलंपियाड में शिवांश पाल ने प्रथम, आस्था यादव ने द्वितीय और ऋचा पाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा कई अन्य छात्रों को पदक, प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार दिए गए।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उप्र कांग्रेस सदस्य डा विजय शंकर तिवारी, उप्र कांग्रेस सोशल मीडिया महासचिव संजय तिवारी, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष द्विजेंद्र नारायण शुक्ला,राम जनम दूबे, जयप्रकाश तिवारी,तरुणमित्र दैनिक के चीफ ब्यूरो सुभाष त्रिपाठी सत्यनारायण मिश्र , अमरनाथ तिवारी, बाबूलाल वर्मा,डा इस्माईल, अशोक सिंह,सुदामा तिवारी और मौजूद रहे।

फास्ट न्यूज

गंगा में इफ्तारी के आरोपियों की जमानत खारिज

वाराणसी । वाराणसी में नाव को हाइजैक कर और नाविक का अपहरण कर गंगा नदी में इफ्तार पार्टी करने पर कोर्ट सख्त है। आरोपियों के खिलाफ एक ओर पुलिस एक्शन में है वहीं कोर्ट किसी को राहत देने के मूड में नहीं है, बल्कि अब पुलिस थाने आरोपियों की क्रिमिनल हिस्ट्री को तलब किया है। सीजेएम कोर्ट ने सोमवार दोपहर बाद परिजनों की ओर से दाखिल जमानत याचिका पर सुनवाई की।

यूपी कॉलेज में हत्या के बाद छात्रों का कैंडल मार्च

वाराणसी । वाराणसी के UP कॉलेज में छात्र सूर्य प्रताप सिंह की हत्या के चौथे दिन सोमवार को छात्रों ने कैंडल मार्च निकाला। छात्र-छात्राओं ने कैंपस से मार्च निकालकर सूर्य प्रताप को श्रद्धांजलि दी। हाथों में कैंडल और बैनर लिए हजारों छात्र जुलूस में शामिल हुए। कैंडल मार्च में हत्याकांड की चश्मदीद छात्रा भी सबसे आगे मौजूद रही। छात्रों का कहना है कि कॉलेज परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। श्रद्धांजलि सभा के दौरान छात्रों ने सूर्य प्रताप को न्याय दिलाने की मांग दोहराई।

मस्जिद हटाने के लिए मंत्री संजय का धरना

प्रयागराज । यूपी सरकार के मंत्री संजय निषाद प्रयागराज में एक मस्जिद हटाने की मांग को लेकर सोमवार को धरने पर बैठ गए। मंत्री के धरने के चलते NH-30 पर करीब 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। मंत्री ने आरोप लगाया कि मस्जिद अवैध रूप से श्रृंगवेरपु-रधाम की जमीन पर बनाई गई है। दावा किया कि करीब 15 साल पहले दूसरे समुदाय के लोगों ने मंदिर के पुजारी की हत्या कर वहां मस्जिद बना ली।

डीएम ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था परखी

त्रैमासिक जांच में वीवीपैट मशीनों का भी लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरन-गर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने सोमवार को ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार वीवीपैट मशीनों के रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के समय विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। आयोग के निर्देश पर ईवीएम और वीवीपैट मशीनों का त्रैमासिक निरीक्षण किया जाता है। जिलाधिकारी ने वेयरहाउस का ताला खुलवाकर अंदर रखी मशीनों की स्थिति देखी। सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली की भी जांच की गई।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वेयरहाउस में सुरक्षा और पारदर्शिता के सभी मानकों का सख्ती से पालन किया जाए। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्सना बंधु, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी महेश चंद्र द्विवेदी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

टांडा में ऑल इंडिया मुशायरा-कवि सम्मेलन, रातभर गूंजती रहीं शायरी

राष्ट्रीय एकता और गंगा-जमुनी तहजीब का संदेश, कई शायरों ने बांधा समां

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। बुनकर नगरी टांडा के छज्जापुर में रविवार रात ऑल इंडिया मुशायरा और कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम इंसाफ टांडवी के संयोजन, हाजी अशफाक अहमद के संरक्षण और डॉ. दस्तगीर अहमद की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। संचालन मोहम्मद असलम खान ने किया। मुशायरे की शुरुआत अहमद सईद टांडवी और सहर अंजुम की नात से हुई। इसके बाद देश के विभिन्न हिस्सों से आए शायरों ने अपनी रचनाएं पेश कीं।

हिमांशी बाबरा, चांदनी मुस्कान, कुमैल अहमद सिद्दीकी, हकीम इरफान आजमी और कमर जीलानी टांडवी की प्रस्तुतियों को खूब सराहा गया। हास्य व्यंग्य शायर हलचल

टांडवी ने अपनी रचनाओं से माहौल को हल्का किया और श्रोताओं को हंसाया।

इसके अलावा इकरामुल हक, हसन वारसी, शाद अकबरपुरी, शगुफ्ता लखनवी, सलीम हमदम, सलमान जफर और अन्य शायरों ने भी अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं।

कार्यक्रम भोर तक चला और श्रोताओं की अच्छी उपस्थिति बनी रही। संयोजक इंसाफ टांडवी ने अतिथियों का स्वागत किया।इस दौरान वकार यूनुस, इसरार अहमद, अहमद जिया, रघुनाथ यादव और अन्य लोग मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि ने बताया एकता का प्रतीक

मुख्य अतिथि टांडा विधायक राममूर्ति वर्मा ने कहा कि मुशायरा और कवि सम्मेलन आपसी सद्भाव और साझा संस्कृति को मजबूत करते हैं। ऐसे आयोजन समाज में भाईचारा बढ़ाते हैं। डॉ. दस्तगीर अहमद ने कहा कि उर्दू भाषा का देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कार्यक्रम में कई सम्मानित लोगों को अवॉर्ड देकर सम्मानित भी किया गया।

महिला हॉकी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में देव इंद्रावती महिला महाविद्यालय में राज्य स्तरीय महिला हॉकी प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न मंडलों की बालिकाएं भाग ले रही हैं।

सोमवार को मिशन शक्ति फेज-5 (द्वितीय चरण) के तहत महिला खिलाड़ियों को जागरूक किया गया। मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी शिवांगी त्रिपाठी ने खिलाड़ियों को महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा से जुड़ी जानकारी दी।

उन्होंने हेल्पलाइन नंबर 1090, 1076 और 108 के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। खिलाड़ियों को आपात स्थिति में इन सेवाओं का सही तरीके से इस्तेमाल करने की सलाह दी गई।

इस दौरान बालिकाओं से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी गईं और प्रश्नोत्तरी के माध्यम से समाधान भी किया गया।

साथ ही साइबर सुरक्षा पर भी जानकारी दी गई। खिलाड़ियों को डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया।

कलेक्ट्रेट सभागार में 9 दिवसीय आयोजन, युवाओं को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

'नव निर्माण के 9 वर्ष' कार्यक्रम योजनाओं की उपलब्धियां प्रदर्शित

> विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत दर्जी ट्रेड में पूजा, सीमा, शांति देवी, शिप्रा साहू और सुमन गुप्ता को सिलाई मशीन दी गई। बढ़ई ट्रेड के लाभार्थियों को टूल किट वितरित किए गए, जिससे वे स्वरोजगार शुरू कर सकें।

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर "नव निर्माण के 9 वर्ष" थीम के तहत कलेक्ट्रेट सभागार में 9 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों ने सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रस्तुत किया।

जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला और मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला की मौजूदगी में उद्योग और श्रम विभाग की योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में उद्यमियों, व्यापारियों और लाभार्थियों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता और उपकरण वितरित किए गए। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास

अभियान के तहत संध्या को ब्यूटी पार्लर के लिए 5 लाख रुपये का डेमो चेक दिया गया।

वहीं, मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना के तहत विपुल वर्मा को प्रिंटिंग प्रेस स्थापित करने के लिए 10 लाख रुपये का डेमो चेक प्रदान किया गया।

राज्य कर विभाग की ओर से तीन उद्यमियों और व्यापारियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। श्रम विभाग ने कन्या विवाह सहायता योजना और मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना के तहत लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए।

सूचना विभाग ने कार्यक्रम में "नव निर्माण के 9 वर्ष" विषय पर

योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारी

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना सहित कई योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। अधिकारियों ने युवाओं को स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया।

82 बार रक्तदान करने वाले सूरज गुप्ता समेत तीन रक्तवीर सम्मानित

आगरा में प्रदेश सेवारत्न 2026 अवॉर्ड, रक्तदान के क्षेत्र में सराहना

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। रक्तदान के क्षेत्र में सक्रिय योगदान के लिए जिले के तीन रक्तवीरों को आगरा में सम्मानित किया गया। 22 मार्च 2026 को संकल्प मानव सेवा संस्था के सातवें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश सेवारत्न 2026 अवॉर्ड प्रदान किया गया। कार्यक्रम में 82 बार रक्तदान कर चुके सूरज गुप्ता, बिपिन कुमार दुबे सहित अन्य को स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में विभिन्न जनप्रति-निधि और संस्था से जुड़े लोग मौजूद रहे। यह सम्मान राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित रक्तदान शिविर और समारोह के दौरान दिया गया। आयोजकों ने रक्तदान के क्षेत्र में उनके योगदान को सराहा।

सूरज गुप्ता संस्था के संस्थापक हैं और लंबे समय से रक्तदान अभियान से जुड़े हैं। बिपिन कुमार दुबे भी संस्था के माध्यम से लगातार लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

सम्मान प्राप्त करने के बाद रक्तवीरों ने इसे जिले के सभी रक्तदाताओं को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से जरूर-तमंदों की जान बचाई जा सकती है और इसे जन अभियान बनाना जरूरी है।जिले में यह रक्तवीर युवाओं के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। उनके प्रयासों से कई लोग रक्तदान के लिए आगे आ रहे हैं। रक्तदान के क्षेत्र में योगदान के लिए इन्हें पहले भी विभिन्न मंचों पर सम्मानित किया जा चुका है।

टांडा में होली मिलन समारोह, जायसवाल समाज ने दिखाया संगठन का दम

तमसा संकेत, संवाददाता

टांडा, अंबेडकरनगर। जायसवाल समाज टांडा के संयोजन में शुक्रवार को छज्जापुर स्थित एक मैरिज लॉन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों की बड़ी भागीदारी रही। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय जायसवाल युवा मंच के अध्यक्ष अजितेश जायसवाल शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत सहस्त्रबाहु अर्जुन के चित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद नगर अध्यक्ष संजीव जायसवाल को सभासद मनोनीत होने पर सम्मानित किया गया। संरक्षक मंडल के आनंद आर्या, राजेंद्र और अन्य वरिष्ठ सदस्यों को भी सम्मान दिया गया।

मुख्य अतिथि अजितेश जायसवाल ने कहा कि समाज को मजबूत बनाए रखने के लिए एकजुटता जरूरी है। त्योहार आपसी भाईचारे और प्रेम का संदेश देते हैं, इन्हें मिलजुल कर मनाना चाहिए। उन्होंने जरूरत पड़ने पर हर संभव

- छज्जापुर के मैरिज लॉन में हुआ आयोजन, बड़ी संख्या में लोग शामिल

सहयोग का भरोसा दिया।

लखनऊ से आए सभासद दीपू जायसवाल ने भी संगठन की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। अतरौलिया के चेयरमैन सुभाष जायसवाल और अन्य अतिथियों ने भी एकजुट रहने की अपील की।

कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। आदित्य, आरोही, सानवी, अथर्व और श्रेष्ठ समेत कई बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से लोगों का ध्यान आकर्षित किया। सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

सत्यापन : 700 लाभार्थियों के खातों में पहली किस्त 25 मार्च को

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0

सुधार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत जिले में 700 पात्र लाभार्थियों के खातों में पहली किस्त 25 मार्च 2026 को जमा की जाएगी। यह निर्णय जिला शहरी विकास अभिकरण (डूडा) ने लिया है।

नगर पालिका अकबरपुर, जलालपुर, टांडा और नगर पंचायत अशरफपुर, किछौछा, इल्लिफातगंज, जहांगीरगंज, राजेसुल्तानपुर में पहले चरण में बड़ी संख्या में गरीबों को पक्का आवास प्रदान किया जा चुका है। योजना के दूसरे चरण के लिए आवेदन प्रक्रिया लगभग दो साल से चल रही थी।

वहीं 10 हजार अन्य आवेदनों का सत्यापन भी जारी है। अब तक लगभग 60 प्रतिशत आवेदन अपात्र पाए गए हैं। नगर पालिका और तहसील स्तर पर आवेदनकर्ताओं की पात्रता की जाँच की जा रही है।

डूडा अधिकारियों का कहना है कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं। इससे जिले में गरीब परिवारों को घर निर्माण में मदद मिलेगी और उनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

> प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत लाभार्थियों को सीधे बैंक खातों में पहली किस्त मिलने से योजना में पारदर्शिता और त्वरित कार्यान्वयन सुनिश्चित किया गया है।

> नगर पालिका क्षेत्रों में गरीबों को पक्का घर, पात्र लाभार्थियों को मिलेगा वित्तीय सहयोग

सत्यापन और पात्रता की प्रक्रिया पूरी

नवंबर 2025 तक पांच हजार लाभार्थियों की डीपीआर तैयार हो चुकी थी। सत्यापन के दौरान पांच हजार आवेदनकर्ता अपात्र पाए गए थे। अब 700 पात्र लाभार्थियों के खातों में धनराशि पहुंचाने की तैयारी पूरी हो गई है। इससे पहले 250 लाभार्थियों को योजना की प्रथम किस्त प्रदान की जा चुकी है। कलेक्ट्रेट सभागार में लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। परियोजना अधिकारी डूडा विशाल सारस्वत ने बताया कि बैंक द्वारा खाता सत्यापन की प्रक्रिया चल रही है। इसके बाद धनराशि सीधे लाभार्थियों के खातों में जमा कर दी जाएगी।

पूर्व विधायक पवन पाण्डेय को हाईकोर्ट से जमानत

चंपा देवी जमीन प्रकरण में उच्च न्यायालय ने दी राहत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर के पूर्व विधायक पवन पाण्डेय को चंपा देवी जमीन प्रकरण में लखनऊ उच्च न्यायालय ने जमानत प्रदान की है। इस फैसले के बाद पूर्वांचल में उनके समर्थकों और आम जनता में खुशी की लहर फैल गई है।

लखनऊ हाईकोर्ट की विशेष बेंच ने मामले की सुनवाई के बाद पवन पाण्डेय को न्यायिक जमानत दी। जमानत के बाद पूर्व विधायक के समर्थकों ने सामाजिक और राजनीतिक गलियारों में खुशी जाहिर की। उनके घर और इलाके में स्वागत करने वालों की भीड़ जुटी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह फैसला क्षेत्रीय राजनीति और आगामी चुनावी परिस्थितियों पर भी प्रभाव डाल सकता है। चंपा देवी जमीन प्रकरण लंबे समय से सुर्खियों में था। मामले में कानूनी प्रक्रिया चल रही थी और पूर्व विधायक

- पूर्वांचल में खुशी की लहर
- राजनीतिक व सामाजिक गलियारों में हलचल

की सुरक्षा एवं कानूनी दावेदारी पर हाईकोर्ट ने संतुलित निर्णय दिया है। जमानत मिलने से अब वे कानूनी लड़ाई में अपनी भागीदारी जारी रख सकेंगे। पूर्व विधायक की जमानत ने न केवल उनके समर्थकों में उत्साह पैदा किया है बल्कि राजनीतिक दलों में भी हलचल मच गई है। विश्लेषकों के अनुसार, यह फैसला आगामी चुनावी रणनीतियों और क्षेत्रीय राजनीतिक समीकरणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सम्पादकीय

संकट का सामना

पश्चिम एशिया में लंबे खिंचते युद्ध को देखते हुए प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर देश भर में ऊर्जा आपूर्ति निर्बाध ढंग से जारी रखने की तैयारियों को लेकर जो चर्चा की, वह समय की मांग थी। इस बैठक में पेट्रोल-डीजल और गैस के साथ ही उर्वरकों की आपूर्ति सुगम बनाए रखने के जिन उपायों पर मंथन किया गया, उनके निष्कर्षों से राज्य सरकारों को भी अवगत कराने की आवश्यकता होगी और उन्हें कुछ निर्देश देने की भी। जिस तरह केंद्र सरकार संकट से पार पाने के लिए कमर कसती दिख रही है, उसी तरह राज्य सरकारों को भी सक्रियता दिखानी होगी।

उचित यह होगा कि प्रधानमंत्री राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मुख्य सचिवों के साथ भी इस उद्देश्य से चर्चा करें कि हर स्तर पर यह संदेश पहुंचे कि देश में कहीं पर भी ऊर्जा एवं उर्वरक संकट पैदा नहीं होने दिया जाएगा। निःसंदेह मौजूदा स्थिति की तुलना कोविड काल से नहीं की जा सकती, लेकिन आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने और उनकी कालाबाजारी एवं जमाखोरी न होने देने पर निगाह रखने की जरूरत तो बढ़ ही गई है। केंद्र और राज्य सरकारों को केवल यही नहीं देखना कि ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति सुगमता से होती रहे, बल्कि इस पर भी ध्यान देना होगा कि अर्थव्यवस्था के पहिए गतिमान बने रहें। इसके लिए ज्यादा जोखिम वाले क्षेत्रों को चिह्नित कर आवश्यक उपाय करना जरूरी है।

चूंकि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध चौथे सप्ताह में प्रवेश कर गया है और इसके कोई आसार नहीं दिख रहे कि यह सैन्य टकराव कब और कैसे खत्म होगा, इसलिए पश्चिम एशियाई देशों से तेल एवं गैस की आपूर्ति का संकट और गहरा सकता है। इस स्थिति में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल एवं गैस के दाम और अधिक बढ़ सकते हैं। इसके नतीजे में भारत सरकार को भी उनकी कीमतें बढ़ानी पड़ सकती हैं। इससे देश में कुछ न कुछ महंगाई भी बढ़ सकती है। ध्यान रहे पश्चिमी देशों के लिए हवाई यात्रा पहले ही महंगी हो गई। आशा की जानी चाहिए कि कीमतें बढ़ाने की नौबत न आने पाए, लेकिन प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार भी रहा जाना चाहिए। यह तैयारी केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारों एवं जिला प्रशासन के स्तर पर भी होनी चाहिए। इसी के साथ आम जनता को यह समझना होगा कि जो संकट पैदा हुआ है, उसमें भारत सरकार की कहीं कोई भूमिका नहीं। ऐसे में यदि कहीं किसी तरह की कठिनाई पैदा हो तो आम लोगों को संयम का परिचय देना होगा। ध्यान रहे कि किसी भी संकट का समाधान तभी आसान होता है जब शासन-प्रशासन के साथ आम जनता भी उसका सामना इस भाव से करती है कि कैसी भी चुनौती हो, उससे पार पा लिया जाएगा।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

> आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है। दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते

नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे। इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंततः नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है। हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया।

ललित गर्ग

यहाँ यह समझना भी ...

सुभाष शिरढोनकर

विकास का विस्तृत वितान

सूक्ष्म उद्योगों से सशक्त होता उत्तर प्रदेश और सुदृढ़ नेतृत्व की सार्थक साधना

समय की सतत सरिता में जब शासन की सजगता, संकल्प की सुदृढ़ता और समाज की सहभागिता एक साथ संगम करती है, तब विकास केवल आंकड़ों का आभूषण नहीं रहता बल्कि जनजीवन का जमीनी यथार्थ बन जाता है। आज उत्तर प्रदेश इसी यथार्थ का जीवंत उदाहरण बनकर उभर रहा है। विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के क्षेत्र में जो परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह केवल योजनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि नेतृत्व की दूरदर्शिता, प्रशासन की दक्षता और नीति के प्रभावी क्रियान्वयन का समन्वित स्वरूप है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, जिसे सामान्यतः पीएमएफएमई योजना कहा जाता है, में उत्तर प्रदेश का देश में प्रथम स्थान प्राप्त करना इस व्यापक परिवर्तन की एक सशक्त और प्रमाणिक अभिव्यक्ति है। अब तक उत्तर प्रदेश इस योजना के अंतर्गत 2000 करोड़ रुपये से अधिक के टर्म लोन स्वीकृत कर देश में शीर्ष स्थान पर पहुँच गया है और यह उपलब्धि केवल वित्तीय विस्तार नहीं, बल्कि विश्वास, व्यवस्था और विकास की त्रिवेणी का परिणाम है। इस योजना के अंतर्गत स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या भी सर्वाधिक रही है, जहाँ 7340 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई और लगभग 98 प्रतिशत का स्ट्राइक रेट दर्ज किया गया जो राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन का द्योतक है। यह आँकड़े केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि उस प्रशासनिक सक्रियता का प्रमाण ह *, जिसने योजनाओं को फाइलों से निकालकर फर्श तक पहुँचाया।

यदि इस सफलता की संरचना को गहराई से समझें, तो स्पष्ट होता है कि उत्तर प्रदेश ने सूक्ष्म उद्योगों को केवल आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता की आधारशिला के रूप में देखा है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का मूल उद्देश्य छोटे उद्यमियों को वित्तीय, तकनीकी और विपणन सहायता प्रदान करना है और इस योजना के लिए केंद्र सरकार द्वारा 10000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जैसा कि भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की आधिकारिक जानकारी में उल्लेखित है। इस योजना के अंतर्गत देश भर में लाखों सूक्ष्म इकाइयों को सहायता प्रदान की जा रही है, और उत्तर प्रदेश ने इस प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका निभाई है।

यहाँ यह समझना भी आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश की सफलता केवल ऋण वितरण तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक सुव्यवस्थित तंत्र का परिणाम है। राज्य में प्रत्येक जिले में जनपदीय संसाधन व्यक्तियों की नियुक्ति की गई है, जो उद्यमियों को योजना की जानकारी, आवेदन प्रक्रिया और इकाई स्थापना में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। यह व्यवस्था इस बात का प्रमाण है कि सरकार केवल योजनाएँ घोषित नहीं कर रही, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संस्थागत ढाँचा भी तैयार कर रही है।

इस योजना के अंतर्गत औसत टर्म लोन लगभग 10 लाख रुपये और औसत अनुदान राशि लगभग 4 लाख रुपये प्रति इकाई स्वीकृत की जा रही है। यह वित्तीय सहायता छोटे उद्यमियों के लिए केवल पूंजी नहीं, बल्कि संभावनाओं का पंख है, जिससे वे अ प न े व्यवसाय को विस्तार दे सकते हैं। यह वही प्रक्रिया है, जिसे 'नीति से नीयत और नीयत से परिणाम' की यात्रा कहा जा सकता है। यदि इस उपलब्धि को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि उत्तर प्रदेश ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को विकास का केंद्रीय स्तंभ बनाया है। यह दृष्टिकोण उस समय और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब वैश्विक स्तर पर रोजगार सृजन और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग विशेष रूप से ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन करता है और किसानों की आय में वृद्धि करता है। समाचार विश्लेषणों में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस योजना के माध्यम से अब तक 24197 से अधिक इकाइयों को अनुदान की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

अमेरिका ...

राजेश जैन

ईरान युद्धः ताकत, रणनीति और जिद के बीच फंसी दुनिया

मध्य-पूर्व एक बार फिर उस उबाल पर है जहां हर मिसाइल सिर्फ सीमाओं को नहीं बल्कि वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और आने वाले समय की दिशा को प्रभावित कर रही है। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच चल रहा यह संघर्ष पारंपरिक युद्ध से कहीं ज्यादा जटिल है। यह एक ऐसी लड़ाई है जिसमें हर पक्ष जीत को अलग तरीके से परिभाषित कर रहा है। कोई वर्चस्व चाहता है, कोई सुरक्षा और कोई सिर्फ अपने अस्तित्व को बचाए रखना। इस संघर्ष की पृष्ठभूमि दशकों पुरानी है। 1979 की ईरानी क्रांति के बाद से अमेरिका और ईरान के रिश्तों में अविश्वास स्थायी हो गया। इजराइल के लिए ईरान हमेशा एक संभावित खतरा रहा, खासकर उसके परमाणु कार्यक्रम और मिसाइल क्षमता के कारण। समय के साथ ईरान ने अपने प्रभाव का विस्तार लेबनान, सीरिया, यमन और गाजा तक किया, जिससे यह टकराव केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे क्षेत्र में फैल गया। आज की स्थिति उसी लंबे तनाव का परिणाम है, जहां हर पक्ष दूसरे को सीमित या कमजोर करना चाहता है।

अमेरिका इस युद्ध में सबसे उलझी हुई स्थिति में दिखता है। उसका घोषित उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकना है लेकिन व्यवहार में उसके लक्ष्य कई परतों में बंटे हुए हैं। कभी वह सिर्फ सैन्य क्षमता घटाने की बात करता है, कभी ईरान की क्षेत्रीय पकड़ खत्म करने की और कभी सीधे सत्ता परिवर्तन की उम्मीद जताता है। यही अस्पष्टता उसकी रणनीति को कमजोर बनाती है। दूसरी तरफ घरेलू दबाव भी कम नहीं है-तेल की बढ़ती कीमतें, महंगा सैन्य अभियान और एक और लंबे मध्य-पूर्वी युद्ध में फंसने का डर। ऐसे में अमेरिका के लिए जीत को परिभाषित करना ही सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

इजराइल इस युद्ध में सबसे स्पष्ट लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। उसके लिए ईरान की मिसाइल क्षमता और परमाणु कार्यक्रम सीधा अस्तित्व का सवाल है। इसलिए उसकी रणनीति बेहद आक्रामक और सटीक है-मिसाइल ठिकानों को नष्ट करना, कमांड सिस्टम तोड़ना और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के नेटवर्क को कमजोर करना। इजराइल सिर्फ तत्काल नुकसान पहुंचाना नहीं चाहता, बल्कि वह एक दीर्घकालिक डिटरेंस यानी ऐसा डर कि ईरान भविष्य में दोबारा ऐसी ताकत खड़ी करने से पहले कई बार सोचे, बनाना चाहता है। इसीलिए वह युद्ध को जल्दी खत्म करने की बजाय अपनी शर्तों पर समाप्त करना चाहता है।

ईरान इस संघर्ष को अलग नजरिए से देख रहा है। उसके लिए यह जीत-हार की लड़ाई नहीं, बल्कि अस्तित्व की लड़ाई है। वह जानता है कि पारंपरिक युद्ध में वह अमेरिका या इजराइल का मुकाबला नहीं कर सकता, इसलिए उसने अपनी रणनीति को "असममित युद्ध" पर आधारित किया है।

डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे मिलेगी निजात

देश की राजधानी दिल्ली आज सिर्फ राजनीतिक और प्रशासनिक केंद्र ही नहीं बल्कि साइबर और वित्तीय अपराधों का भी बड़ा केंद्र दिखाई दे रही है। प्रतिदिन औसतन 50 लाख रुपये की ठगी के मामलों का सामने आना न केवल चौंकाने वाला है बल्कि यह कानून-व्यवस्था और डिजिटल सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह आंकड़े एक दैनिक अखबार में प्रकाशित किये गए हैं जो चौंकाने वाले दिख रहे हैं। वर्ष 2025 में 184 मामले दर्ज किये गए हैं, लगभग 70,64,80,424 रूपये (30 जून तक) तक ठग लिए गये हैं। इससे पिछले वर्ष 2024 में 1,591 मामले दर्ज हुए और 8,17,64,85,471 रूपये ठग लिए गए। आज ठगी से कैसे बचे ? अभी गैस की क्या कमी हुई, ठगों ने इस आपदा को अवसर बना लिया। इस डिजिटल युग में ठगी के बढ़ते जाल से कैसे निजात मिलेगी? विशेषज्ञों का कहना है कि जागरुकता और सतर्कता सावधानी जरूरी है। दिल्ली जैसी राजधानी में दिल्ली पुलिस अच्छा कार्य कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में तकनीक के विस्तार के साथ ठगी के तरीके भी बेहद परिष्कृत हो गए हैं। पहले जहां जेबकतरी और साधारण धोखाधड़ी आम थी, वहीं अब ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल, अपडेट के नाम पर ठगी और निवेश के झांसे जैसे अपराध तेजी से बढ़े हैं। आम नागरिक, विशेषकर बुजुर्ग और डिजिटल रूप से कम जागरूक लोग, इन ठगों का आसान शिकार बन रहे हैं। दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां लगातार जागरूकता अभियान चला रही हैं लेकिन अपराधियों की चतुराई और तकनीकी दक्षता कई बार इन प्रयासों पर भारी पड़ती है। अपराधी अक्सर विदेशी सर्वर, फर्जी सिम कार्ड और डिजिटल वॉलेट्स का इस्तेमाल कर अपनी पहचान छिपा लेते हैं जिससे जांच और गिरफ्तारी में कठिनाई आती है। यह स्थिति कई स्तरों पर चिंता पैदा करती है। पहला, आम जनता का डिजिटल लेनदेन पर विश्वास कमजोर होता जा रहा है।

सौरभ वार्ष्णेय

जरा हटके

इन तीनों व्यवस्थाओं ...

पंकज जायसवाल

अदृश्य अधार्मिक सत्ता के खतरों के बीच सत्ता का नैतिकीकरण ही समाधान

आज की वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था को समझने के लिए केवल पारंपरिक श्रेणियों धार्मिक, धर्मनिरपेक्ष या नास्तिक के आधार पर विश्लेषण करना पर्याप्त नहीं रह गया है। विश्व व्यवस्था के भीतर एक ऐसी शक्ति संरचना भी विकसित हो चुकी है जो किसी संविधान, विचारधारा या नैतिक सिद्धांत से बंधी नहीं है। यही वह बिंदु है जहाँ "अधार्मिक सत्ता संरचना" की अवधारणा प्रासंगिक हो जाती है।

यदि हम वैश्विक स्तर पर सत्ता व्यवस्थाओं को देखें तो मोटे तौर पर तीन औपचारिक श्रेणियां स्पष्ट रूप से सामने आती हैं। पहली, धार्मिक व्यवस्था, जहाँ शासन किसी विशेष धर्म के सिद्धांतों पर आधारित होता है जैसे सऊदी अरब या ईरान। दूसरी, धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था, जहाँ राज्य सभी धर्मों से दूरी बनाए रखता है या सभी के प्रति समान व्यवहार करता है जैसे भारत, फ्रांस या सिंगापुर। तीसरी, नास्तिक या वैचारिक व्यवस्था, जहाँ शासन किसी धार्मिक आधार पर नहीं बल्कि एक राजनीतिक विचारधारा जैसे कम्युनिज्म पर आधारित होता है, जैसे चीन या वियतनाम।

इन तीनों व्यवस्थाओं के बीच मतभेद हो सकते हैं लेकिन एक मूल समानता है. इनके पास किसी न किसी रूप में एक संरचित नैतिक या वैचारिक ढांचा होता है। यही ढांचा इन्हें पूर्ण अराजकता में जाने से रोकता है और शासन को एक दिशा देता है लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है, जब एक चौथी श्रेणी जन्म लेती है और सत्ता का वास्तविक नियंत्रण इन औपचारिक व्यवस्थाओं से हटकर ऐसी अवैध शक्तियों के हाथ में चला जाता है जो न तो सार्वजनिक रूप से उत्तरदायी होती हैं और न ही किसी नैतिक या वैचारिक अनुशासन से बंधी होती हैं। यही वह स्थिति है जिसे हम "अधार्मिक सत्ता संरचना" कह सकते हैं। यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि "अधार्मिक सत्ता" कोई आधिकारिक राजनीतिक श्रेणी नहीं है। यह एक अवधारणा है, जो उन अनौपचारिक नेटवर्क्स की ओर संकेत करती है, जिन्हें सामान्यतः "डीप स्टेट" कहा जाता है। इस शब्द का प्रयोग विभिन्न संदर्भों में होता है और यह कई बार विवादास्पद भी होता है लेकिन इसके पीछे का मूल विचार यह है कि कुछ शक्तिशाली समूह चाहे वे कॉर्पोरेट लॉबी हों, वित्तीय संस्थान हों, रणनीतिक समूह हों या प्रभावशाली व्यक्ति पर्दे के पीछे रहकर नीतियों और घटनाओं को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। इन संरचनाओं की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इनका संचालन पारदर्शिता और जवाबदेही से परे होता है। इनका प्राथमिक लक्ष्य अक्सर "पावर और पैसा" होता है, न कि जनहित, नैतिकता या दीर्घकालिक स्थिरता। यही कारण है कि इन्हें "अधार्मिक" कहा जा सकता है क्योंकि ये किसी भी स्थापित नैतिक ढांचे से मुक्त होकर कार्य करती हैं। इतिहास और समकालीन घटनाओं में ऐसे कई संकेत मिलते हैं जहाँ यह प्रश्न उठता है कि क्या सभी बड़े निर्णय केवल औपचारिक सरकारों द्वारा ही लिए जाते हैं। अचानक भड़कने वाले युद्ध, वैश्विक आर्थिक संकट, या बड़े कॉर्पोरेट घोटाले ये सभी कभी-कभी इस ओर इशारा करते हैं कि सत्ता के कुछ आयाम ऐसे भी हैं जो आम नागरिकों और यहां तक कि कई बार निर्वाचित सरकारों की प्रत्यक्ष पहुंच से बाहर होते हैं।

हाल के वर्षों में वैश्विक स्तर पर कई ऐसी घटनाएं हुई हैं जिनमें निर्णयों की पारदर्शिता और वास्तविक शक्ति केंद्रों को लेकर सवाल उठे हैं। हालांकि यह कहना अतिशयोक्ति होगा कि हर घटना के पीछे कोई "डीप स्टेट" ही कार्यरत होता है लेकिन यह भी उतना ही सच है कि वैश्विक व्यवस्था में अनौपचारिक प्रभाव तंत्र की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

समस्या और समाधान

आधुनिक युग में अगर किसी भी जीव ने जन्म लिया हैं तो उसके समस्या होगी ही और इस धरा पर ऐसा कोई भी जीव नहीं हैं जिसके समस्या नहीं हैं । समस्या हैं तो उसका समाधान भी हैं । कोई भी समस्या हों , कैसी हों , कही हों और किसी भी समय हो उसका समाधान निश्चित हैं । समस्या हैं और उसके समाधान के लिये चिन्तन किया जायें तो चिंतन बहुत अच्छी चीज है । अगर समस्या के प्रति सजग रहकर कोई भी समस्या का चिंतन करे और निरन्तर हम सकारात्मक सोचते हुए उसका समाधान खोजे तो निश्चित ही हम सफलता पाते हैं । हमें इसके लियें धीरज भी रखना होता है ,समय की अपनी महत्ता है,समस्या को सुलझने में समय तो कुछ कम या ज़्यादा लग सकता है। विवेकवान व्यक्ति दिमाग को शांत रखके हर समस्या का समाधान पा लेता है।समस्या बड़ी नहीं होती,हम अपनी नासमझी और नकारात्मक सोच से रक्या होगाह कि हायतोबा मचाकर उसे बड़ा बना देते हैं।असम्भव शब्द अगर हमारे शब्दकोश में नहीं हो तो हम आसानी से हर चिंतन को समझने में सफल होसकते है। मैंने यह भी अनुभव किया हैं की गलतफहमीयां भी समस्याओं के होने का एक मुख्य कारण है। आपस में संवाद की निरंतरता समस्या का सही निवारण भी है।खटास की बेल कभी भी अपनी जडे नहीं जमा पाती उन दिल्लों मे जिन्होंने आचार,विचार और व्यवहार मे विश्वास के मंत्र को किया सभी तरीक़े से धारण । एक मत यह भी हैं की आधुनिक जीवन की सारी समस्याओं की जड़ है हमारी अपनी बेहोशी जों केवल हमें बाहरी सुख-सुविधाएँ जुटाते चले जाने की देती हैं निरन्तर मदहोशी। इस मदहोशी में हम भूल ही गए हैं कि किसके लिये हमको जीना है और हम सब तरीक़े से चारों और लगें हैं एकत्र करने में इतर और नित नयी हम ज़रूरतें पैदा करते जाते है बस यही से ही हम समस्याओ को बुलावा देने लग जाते है इसका कारण हम देख समझ पाते ही नहीं और दूसरा आकर खड़ा हो जाता हैं इसके लियें समस्या के भीतर देखने की है हमारी शत जों है वर्तमान में रहकर या जीकर सम्भव होना । इसके लिये मैं एक प्रेरक कहानी से मेरी बात रख रहा हुँ ।

› प्रदीप छाजेड़

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बादल फटने के बाद 2025 में हुए थे लापता, माता-पिता के हाथों में सेना ने रखा तिरंगा

मथुरा के जवान को 9महीने बाद मिला शहीद का दर्जा

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा । मथुरा के अग्निवीर प्रेम सिंह को आखिरकार 9 महीने बाद शहीद का दर्जा दिया गया। साल 2024 में 14वीं राजपूत राइफल्स में 19 वर्षीय प्रेम सिंह भर्ती हुए थे। 19 जून 2025 को उन्हें उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली-हर्षिल क्षेत्र में तैनात किया गया था।

5 अगस्त 2025 को इलाके में बादल फटने की घटना हुई, जहां सेना के जवान राहत और बचाव कार्य में लगे हुए थे। अचानक आई तेज पानी की धारा और मलबे की चपेट में कई जवान बह गए, जिनमें अग्निवीर प्रेम सिंह भी शामिल थे। काफी खोजबीन के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं मिल सका था।

अग्निवीर प्रेम सिंह की फाइल फोटो।

परिवार के लोग परेशान हुए और सेना भी अपने जवानों को खोजने में लग गई। हालांकि प्रेम सिंह का शरीर नहीं मिल सका। अब जाकर सेना ने औपचारिक घोषणा करते हुए प्रेम सिंह को शहीद घोषित कर दिया है।

सोमवार को करीब 11 बजे शहीद के सम्मान में तिरंगा लेकर सेना के जवान मथुरा के राया थाना क्षेत्र के हर्रया नगला गांव पहुंचे तो गगनभेदी नारे गूंजने लगे। प्रेम सिंह को लेकर सम्मान और दुख एक साथ लोगों की आंखों में दिखा। माता-पिता को सेना के जवानों ने तिरंगा भेंट किया। पूरे राजकीय सम्मान के साथ पुष्प चक्र भी अर्पित किया गया।

> इस दौरान राया के ब्लॉक प्रमुख मुकेश चौधरी, चंचल चौधरी, बलदेव के ब्लॉक प्रमुख प्रतीक प्रमुख बलदेव, रोहित प्रताप, रंधीर प्रधान, नीरज सोलंकी प्रधान, प्रहलाद सिंह, भूरा चौधरी, राजू, अंकुर देवा प्रधान, जगदीश, जगवीर मास्टर आदि मौजूद रहे।

सिर्फ 34 सेकेंड में सब कुछ बर्बाद हो गया था

उत्तरकाशी के धराली गांव में जब बादल फटा था तो कुछ ऐसा नजारा दिखा था। इसमें 50 से ज्यादा लोग लापता हो गए थे। SDRF, NDRF, ITBP और आर्मी की टीमें बचाव और रेस्क्यू के काम में जुटी रहीं। 130 से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू किया गया था।

खीर गंगा नदी में पहाड़ों से बहकर आए मलबे से धराली का बाजार, मकान और होटल बह गए थे। सिर्फ 34 सेकेंड में सब बर्बाद हो गया था। धराली के अलावा हर्षिल और सुक्की में बादल फटा था। हर्षिल इलाके में बादल फटने से सेना के 8 से 10 जवानों के लापता हो गए थे।

कई किमी लंबा काफिला

14वीं राजपूताना राइफल्स के जवान जब तिरंगा लेकर हर्रया नगला गांव पहुंचे तो सेना के वाहन के साथ क्षेत्र के लोगों के वाहनों का कई किमी लंबा काफिला देखने को मिला। सेना की आरे से सूबेदार मेजर वीर सिंह अपनी बटालियन के साथ पहुंचे। उन्होंने माता-पिता को तिरंगा सौंपा और राजकीय सम्मान के साथ सलामी दी।

शहीद प्रेम सिंह के भाई राजू का कहना है कि घटना दुःखद है। आज भाई को करीब दो वर्ष बाद अंतिम विदाई दी गई है। परिवार के साथ ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। बूढ़े माता पिता के लिए हम सभी सहारा थे। छोटे भाई के दो वर्ष पहले शहीद होने पर दुःखी हुए। हमने और हमारे माता-पिता ने वर्षो तक भाई के आने का इंतजार किया।

डायट फरीदपुर में मूल्यांकन संगोष्ठी का सफल आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

फरीदपुर (बरेली)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) फरीदपुर के सभागार में डायट प्राचार्य दीप्ति वार्ष्णेय के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में "मूल्यांकन और आकलन" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्देश्य नई शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में मूल्यांकन की बदलती अवधारणाओं, तकनीकों एवं व्यवहारिक पक्षों के प्रति शिक्षकों, प्रशिक्षुओं एवं शिक्षाविदों को जागरूक करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ प्रवक्ता मनोज कुमार एवं कार्यक्रम के प्रभारी प्रवक्ता व समन्वयक दिनेश कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। उद्घाटन संबोधन में वरिष्ठ प्रवक्ता ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास का आकलन करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में खंडेलवाल कॉलेज के शिक्षक शिक्षा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर रितेश गुप्ता, एस.आर.जी. डॉ. अनिल चौबे, डॉ. धर्मवीर एवं डायट प्रवक्ता डॉ. फेहमीना ने "आकलन की नवीन विधियाँ" विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सतत एवं समग्र मूल्यांकन (CCE), फॉर्मेटिव एवं समेटिव असेसमेंट के माध्यम से विद्यार्थियों की वास्तविक प्रगति का आकलन किया जा सकता है।

नई शिक्षा नीति के तहत आकलन तकनीकों और डिजिटल उपकरणों पर चर्चा

फास्ट न्यूज

गोरखपुर में बदमाशों ने नशीला पदार्थ सुंघाकर लूटा

गोरखपुर । गोरखपुर में दुबई से कमाकर घर लौट रहे एक युवक को कार सवार बदमाशों ने अगवा कर नशीला पदार्थ सुंघाकर लूट लिया। बदमाश उसका महंगा मोबाइल और नकदी छीनकर सड़क किनारे फेंककर फरार हो गए। सूचना मिलते ही सक्रिय हुई कैंट पुलिस ने कुछ ही घंटों में एक आरोपी को कार समेत ट्रांसपोर्टनगर के पास से गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका साथी फरार है।

फर्जी आईएएस शेरवानी पहनकर 26वीं शादी करने आया

गोरखपुर । गोरखपुर के कैंट इलाके की लड़की से फर्जी आईएएस बनकर शादी करने वाले आरोपी प्रीतम निषाद की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम रविवार को इटावा रवाना हो गई।

फर्जी आईएएस प्रीतम कुमार निषाद इटावा के इकदिल थाना क्षेत्र के लुधियात मोहल्ले का रहने वाला है। इस केस में प्रीतम की बहन-जीजा और परिवार के अन्य लोग आरोपी बनाए गए हैं। वहीं इटावा की पुलिस भी आरोपी की तलाश में जुट गई है। लगातार संभावित ठिकानों पर पुलिस टीम दबिश दे रही है।

दिव्यांग महिला समेत दो पीड़िताओं ने लगाई न्याय की गुहार

बाराबंकी । बाराबंकी के हैदरगढ़ तहसील मुख्यालय सभागार में एसडीएम हैदरगढ़ की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। इसमें सुबेहा थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव से पहुंची दिव्यांग मिथिलेश कुमारी समेत दो महिलाओं ने न्याय की गुहार लगाई। उन्होंने मारपीट और पुलिस द्वारा सुनवाई न करने की शिकायत की, जिस पर एसडीएम ने कार्रवाई के निर्देश दिए।

मैनपुरी में देवर ने की भाभी की हत्या लूडो खेलते समय चिकोटी काटी

पति को बताने की धमकी दी तो गला दबाकर मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

मैनपुरी । मैनपुरी में देवर ने गला दबाकर भाभी की हत्या कर दी। दोनों साथ में बैठकर लूडो खेल रहे थे। देवर ने चिकोटी काटी तो भाभी ने इसका विरोध किया और पति को बताने की धमकी दी। गुस्से में देवर ने भाभी का गला दबाकर मार डाला।

घटना 10 मार्च की है। आरोपी महिला के फोन का सिम निकालकर फरार हो गया था। पति ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। पुलिस सिम की लोकेशन ट्रैस करते हुए आरोपी तक पहुंच गई। आज आरोपी देवर को गिरफ्तार कर लिया गया। मामला कुर्रा थाना क्षेत्र के डेल्हा गांव का है।

डेल्हा गांव में सौरभ चौहान पुत्र शिवराम चौहान अपने परिवार के साथ रहता है। उसकी शादी वर्ष 2016 में पूनम के साथ हुई थी। दंपति का एक पांच साल का बेटा है। घटना के समय घर में ससुर और मासूम बेटा मौजूद थे, जबकि पति अहमदाबाद में नौकरी करता है।

पूनम, मृतक

10 मार्च को डायल 112 के माध्यम से पुलिस को एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना मिली। यह सूचना मृतका के मायके पक्ष ने दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला का शव घर के अंदर जमीन पर पड़ा पाया।

स्थिति संदिग्ध लगने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पति के अहमदाबाद से लौटने के बाद उसने अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी, जिसके आधार पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

काशी में कहा- गाय, शास्त्र और मंदिर की रक्षा करेंगे, पहले रोकेंगे-टोकेंगे फिर ठोकेंगे

शंकराचार्य 2.18 लाख सैनिकों की चतुरंगिणी सेना बनाएंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सोमवार को चतुरंगिणी सेना बनाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा- चतुरंगिणी सेना में 2 लाख 18 हजार 700 सैनिक होंगे। इसमें देशभर से लोग भर्ती होंगे। उन्होंने बताया- यह सेना गोरक्षा, धर्म रक्षा, शास्त्र रक्षा और मंदिर रक्षा का कार्य करेगी। उनकी ड्रेस पीली होगी। हाथ में परशु (फरसा) होगा। अविमुक्तेश्वरानंद ने चतुरंगिणी सेना बनाने के लिए श्रीशंकराचार्य चतुरंगिणी सभा का गठन किया है। इसमें 27 सदस्य होंगे। इसका अध्यक्ष वे खुद होंगे।

शंकराचार्य ने अपनी सेना के काम करने के तरीके बताए। उन्होंने कहा पहले टोको, यानी टोकेंगे। कहो कि यह गलत हो रहा है। नहीं माने तो रोको। भाई, आपको रुकना पड़ेगा। नहीं तो फिर ठोको। ठोको का मतलब सीधे प्रहार करना नहीं है। मुकदमा करना, शिकायत करना और पंचायत करना भी ठोको में आएगा। ये सभी संवैधानिक तरीके अपनाते हुए काम करेंगी। आदि शंकराचार्य ने आठवीं सदी में 13 अखाड़े बनाए थे। इन अखाड़ों का गठन हिंदू धर्म और वैदिक संस्कृति की रक्षा के लिए किया गया था। धर्म की रक्षा के लिए नागा साधुओं की एक सेना की तर्ज पर ही अखाड़ों को तैयार किया गया था। जिसमें उन्हें योग, अध्यात्म के साथ शस्त्रों की भी शिक्षा दी जाती है। इन अखाड़ों को शंकराचार्य की सेना भी कहा जाता था। आजादी के बाद 1954 में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद (ABAP) का गठन हुआ था। 1954 के प्रयाग (इलाहाबाद) कुंभ में मची भगदड़ के बाद, व्यवस्था सुधारने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की पहल पर, 13 अखाड़ों के प्रतिनिधियों ने मिलकर इस संस्था की स्थापना की।

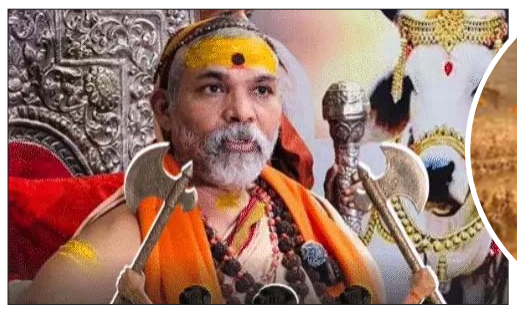

> शंकराचार्य ने कहा- 1 पत्ती (टीम) में 10 लोग होंगे। 21 हजार 870 टीमें बनेंगी तो सेना तैयार हो जाएगी। भारत में अभी करीब 800 जिले हैं। अगर हर जिले में 27 टीमें, यानी 270 लोग तैयार हो गए, तो 2 लाख 16 हजार लोग तैयार हो जाएंगे।

'धार्मिक परिसर में वही लोग जाएं, जो उस धर्म को मानते हैं'

उत्तराखंड के बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर रोक के मामले में शंकराचार्य ने कहा- मक्का-मदीना में 40 किलोमीटर पहले ही दूसरे धर्म के लोगों को रोक दिया जाता है। वह गलत नहीं है। ठीक है। वैसे ही हमारे भी धर्म स्थल हैं। हमें भी अपनी पवित्रता चाहिए। हमें भी अपने ढंग से पूजा-पाठ करना है। वहां दूसरा क्यों जाएगा। हमारे यहां परंपरा है कि धार्मिक परिसरों में वही लोग जा सकते हैं, जो उस धर्म को मानते हैं।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. डॉ. साधना गुप्ता के प्रेरणादायक उद्बोधन से हुआ

पॉश कार्यशाला में छात्राओं को यौन उत्पीड़न के कानूनी प्रावधानों की दी जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

साहिबाबाद। औद्योगिक क्षेत्र साइट-4 स्थित इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज के इंद्रप्रस्थ बिजनेस स्कूल में राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग तथा युवा मंथन के संयोजन में कैम्पस कॉलिंग पॉश जागरूकता कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के बीच प्रिवेंशन ऑफ सेक्सुअल हरासमेंट एक्ट, महिला सुरक्षा तथा साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। उन्होंने अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने तथा शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इसके पश्चात डॉ. ऋचा राजश्री ने उत्पीड़न के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने यौन उत्पीड़न के प्रकार, उससे बचाव के उपाय तथा पीड़ितों के लिए उपलब्ध सहायता तंत्र पर प्रकाश डाला। वहीं प्रो. डॉ. रागिनी करवयून ने अपने संबोधन में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका को रेखांकित करते हुए जेंडर सेंसिटिविटी और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर बल दिया। इस कार्यक्रम में डीन एकेडमिक्स प्रो. डॉ. अमित जैन, प्राचार्य प्रो. डॉ. साधना गुप्ता, डीन आईक्यूएसी एवं छात्र कल्याण प्रो. डॉ. मीनाक्षी शर्मा, कंप्यूटर एप्लीकेशंस विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. रागिनी करवयून तथा मैनेजमेंट स्टडीज विभागाध्यक्ष डॉ. महजबीं बानो की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों ने यौन उत्पीड़न के विरुद्ध सामूहिक शपथ ली और एक सुरक्षित व समावेशी कैंपस के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर छात्रों के बीच एक आकर्षक स्लोगन लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसके माध्यम से उन्होंने समानता, सम्मान और सुरक्षा के संदेश को रचनात्मक रूप से अभिव्यक्त किया।

एमआईटी में मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईटी में मिशन शक्ति अभियान (फेज 5.0) के अंतर्गत प्रशासन के सहयोग से एक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीओ ब्रह्मपुरी सौम्या अस्थाना ने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, वन स्टॉप सेंटर, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, घरेलू हिंसा अधिनियम, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न निवारण कानून, दहेज निषेध अधिनियम तथा बाल संरक्षण से जुड़े प्रावधानों की सरल भाषा में जानकारी दी।

उन्होंने महिलाओं और बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी विस्तार से बताया, जिनमें वूमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102 व 108, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं। साथ ही गुड टच और बैड टच के विषय में जागरूक करते हुए पंपलेट भी वितरित किए गए।

इस दौरान कॉलेज की छात्राओं चंद्रिका (बीसीए), रौशनी (बीबीए) एवं काजल (बीसीए) ने घरेलू हिंसा और साइबर अपराध जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर जागरूकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम में छात्रों की सक्रिय भागीदारी रही और यह आयोजन महिला सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में प्रभावी सिद्ध हुआ।

एमआईईटी पब्लिक स्कूल में यूकेजी छात्रों का ग्रेजुएशन डे आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। जागृति विहार स्थित एमआईईटी पब्लिक स्कूल में यूकेजी के बच्चों के लिए ग्रेजुएशन डे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राइमरी के सभी बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांध दिया। ऑल इज वेल गीत पर बच्चों की आकर्षक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि चेयरमैन विष्णु शरण एवं प्रधानाचार्या डॉ. सिल्की वर्मा ने किया। यह आयोजन किंडरगार्टन के बच्चों के कक्षा एक में प्रवेश के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों को विशेष वेशभूषा में प्रमाण-पत्र देकर दीक्षांत समारोह जैसा अनुभव कराया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के मधुर स्कूल गीत से हुई। इसके पश्चात अथर्व, शानवी, अक्षज, शिवांश सहित अन्य बच्चों ने अपनी किंडरगार्टन यात्रा के अनुभव साझा किए। विहान और अरनव ने हिंदी एवं अंग्रेजी कविताओं की सुंदर प्रस्तुति दी।

डॉ. सिल्की वर्मा के नेतृत्व में बच्चों ने अनुशासन, विद्यालय और अभिभावकों का सम्मान बनाए रखने की शपथ भी ली। अंत में सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन कोऑर्डिनेटर शालिनी माहेश्वरी, प्रियंका नारायण,दीपिका शर्मा, शिल्पी गुप्ता और मंदाकिनी गोयल के सहयोग से सफलतापूर्वक किया गया।

घटना : कोल्ड स्टोरेज की बिल्डिंग ढही, 20 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका, 4 की मौत

अमोनिया रिसाव के बाद धमाका

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे तेज धमाके के बाद कोल्ड स्टोरेज की एक बिल्डिंग ढह गई। मलबे में करीब 20 मजदूर दब गए। हादसे में 4 मजदूरों की मौत हुई है।

आदर्श कोल्ड स्टोरेज नाम से यह बिल्डिंग फाफामऊ इलाके में थी। इसके मालिक सपा नेता और पूर्व मंत्री अंसार अहमद हैं। 27 साल पुराने इस कोल्ड स्टोरेज में तीन बिल्डिंग हैं। करीब 10 हजार स्क्वायर फीट की एक बिल्डिंग ढही है। यहां 100 से ज्यादा लोग काम करते हैं। कुछ मजदूर खाना खा रहे थे, कुछ आराम कर रहे थे, तभी ये हादसा हुआ। पुलिस ने कोल्ड स्टोरेज के मैनेजर और अंसार अहमद के परिवार के कई सदस्यों को हिरासत में लिया है। पीएम मोदी और सीएम योगी ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए देने का ऐलान किया है। घटना पर दुख जाहिर किया है। मरने वालों में पिलत चौधरी, मशींदर, ज्योतिष और जगदीश शामिल हैं। जगदीश प्रयागराज और बाकी तीनों बिहार के रहने वाले थे।

प्रशासन 7 जेसीबी से रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहा है। अब तक 17 लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया है। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम मौके पर हैं। यह कोल्ड स्टोरेज सपा नेता और पूर्व मंत्री अंसार अहमद का है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है,

मजदूर बोला- 20 लोग को मलबे में दबे

बिहार के रहने वाले इंदल ने बताया कि स्टोरेज में 110 लोग काम कर रहे थे। बिल्डिंग गिरने से करीब 20 लोग दबे हैं। बाकी सभी लोग बाहर भागे। अभी 5 लोगों को बाहर निकाला गया है।

कोल्ड स्टोरेज के मैनेजर और कुछ कर्मचारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। सभी को थाने ले जाया जा रहा है।

बिहार का युवक बोला- हादसे में पिता की मौत हुई

सहरसा के रहने वाले बिलेट चौधरी के बेटे शिवम कुमार ने बताया- हादसे में पापा की मौत हो गई है। खाना खाने के बाद पापा कोल्ड स्टोरेज के अंदर गए थे। वे आराम कर रहे थे। इसी दौरान बिल्डिंग ढह गई।

मजदूर नंदन ने कहा- सभी आराम कर रहे थे, तभी बिल्डिंग ढही

मजदूर नंदन कुमार ने बताया- लंच का टाइम था। सभी लोग खाना खाकर आराम कर रहे थे। तभी बिल्डिंग गिर गई। जो भी अंदर था, वो भाग नहीं पाया। हमने किसी तरह से अपनी जान बचाई।

> घटना से जुड़ा वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि मौके पर अफरा-तफरी का माहौल है। लोग घायलों को उठाकर ले जा रहे हैं।

यूपी के कैप्टन साथी को बचाने में शहीद

श्रद्धांजलि | नदी के तेज बहाव में फंसे, पिता बोले- सिर पत्थर से टकराया

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजीपुर। यूपी के गाजीपुर में रहने वाले 25 साल के कैप्टन की देहरादून में साथी को बचाने के दौरान जान चली गई। प्रैक्टिस के दौरान एक जवान नदी के तेज बहाव में फंस गया था। यह देख कैप्टन प्रशांत चौरसिया नदी में कूद पड़े। उन्होंने साथी को तो बचा लिया, लेकिन खुद तेज बहाव में फंस गए। साथ ही एक पत्थर से टकराकर घायल हो गए।

साथी जवानों ने उन्हें बाहर निकालकर आर्मी अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। हादसा 20 मार्च को भैरव बटालियन के प्लाटून अभ्यास के दौरान हुआ था। 22 मार्च को इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बेटे की मौत की खबर

सुनकर मां सुमन देवी बेसुध हो गईं। कैप्टन का पार्थिव शरीर देहरादून से वाराणसी के बाबतपुर एयरपोर्ट लाया गया। वहां से सेना के ट्रक में शव रखकर सड़क मार्ग से गाजीपुर लाया गया। इस दौरान शहर के सैकड़ों लोग शव यात्रा में शामिल रहे। देर शाम बलुआ घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। छोटे भाई मयंक चौरसिया मुखाग्नि देंगे।

> कैप्टन प्रशांत चौरसिया जमानिया कस्बे के रहने वाले थे। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा यहीं के सेंट मैरीज स्कूल से हासिल की थी। 2022 में नेशनल डिफेंस अकादमी (एनडीए) से उनका चयन हुआ था। उनकी बड़ी बहन सलोनी की शादी पिछले महीने ही हुई थी। छोटा भाई मयंक घर पर रहकर पढ़ाई करता है।

इस समय जमानिया स्थित रामलीला मैदान में शहीद कैप्टन

यह तस्वीर साल- 2022 की है, जब प्रशांत चौरसिया का नेशनल डिफेंस अकादमी (एनडीए) से सिलेक्शन हुआ था। उनके साथ माता-पिता दिख रहे हैं।

प्रशांत चौरसिया का पार्थिव शरीर रखा है। बड़ी संख्या में लोग अंतिम दर्शन के लिए इकट्ठा हैं। इसके बाद पार्थिव शरीर उनके पैतृक घर ले जाया गया। इस दौरान क्षेत्र की पूर्व विधायक सुनीता सिंह भी पहुंचीं और शहीद को श्रद्धांजलि दी। वहीं, जमानिया कोतवाली प्रभारी राम सजन नागर पुलिस फोर्स के साथ मौके पर मौजूद हैं।

पिता बोले- सिर में चोट लगने से हुई बेटे की मौत

कैप्टन के पिता पुरुषोत्तम चौरसिया ने बताया- जमानिया के सीओ ने मुझे फोन करके पूछा था कि क्या प्रशांत के बारे में कोई जानकारी मिली? इसके बाद मैंने बेटे प्रशांत को फोन किया। फोन उसके एक दोस्त ने उठाया। उसने कहा कि आप तुरंत यहां आ जाइए। उसने फ्लाइट के दो टिकट भी भेजे।

इसके बाद हम लोग फ्लाइट से सुबह दिल्ली पहुंचे। वहां से देहरादून गए। वहां पहुंचने पर हमें बताया गया कि 20 मार्च को नदी पार करने के दौरान प्रशांत अपने डूबते हुए साथी को बचाने की कोशिश कर रहे थे। तभी तेज बहाव की चपेट में आ गए। इससे उनके सिर में चोट लग गई और उनकी मौत हो गई।

रामपुर भवानीपुर जाने वाली सड़क पर गड्ढों में जलभराव आवागमन में दिक्कते

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । एक ओर योगी सरकार सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए आए दिन आदेश जारी करती तथा करोड़ो रुपए पानी की तरह बहा रही है वहीं जनपद के रामपुर भवानीपुर जाने वाली सड़क पर बने गड्ढे जल भराव आज या व्यवस्थाएं शासन की मंशा को मुंह चढ़ा रही है जिससे ग्रामीणों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

जनपद की तहसील सिरौली गौसपुर क्षेत्र में भैसुरिया से रामपुर भवानीपुर जाने वाली सड़क अत्यधिक ऊबड़ खाबड़ हो गई है। हाल ही में हुई बारिश के कारण पूरी सड़क पर जल भराव हो गया है, जिससे राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर बने गहरे गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया है। इससे सबसे ज्यादा परेशानी मोटर-साइकिल सवारों और पैदल चलने वाले लोगों को हो रही है। स्थानीय

ग्रामीणों ने बताया कि हर समय दुर्घटना की सम्भावना बनी रहती है।

रामपुर के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि नियाज अंसारी और भैसुरिया के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राकेश सिंह ने बताया कि यह सड़क काफी समय से खराब है और इसकी मरम्मत नहीं की जा रही है। उन्होंने इस समस्या पर चिंता व्यक्त की। नियाज अंसारी ने यह भी बताया कि सड़क की मरम्मत के लिए कई बार संबंधित अधिकारियों को सूचना दी गई है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सड़क की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। स्थानीय राहगीरों ने बताया कि पानी से भरे गड्ढों के कारण सड़क की वास्तविक स्थिति का पता नहीं चल पाता, जिससे आवागमन जोखिम भरा हो गया है।

फास्ट न्यूज

पीसीएफ प्लाजा में लगी आग, दुकान छोड़ भागे दुकानदार

वाराणसी । वाराणसी के नदेसर में स्थित पीसीएफ प्लाजा में सोमवार को भीषण आग लग गई। शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की बात कही जा रही है। अचानक आग तेज होने से कुछ दुकानदार दुकान छोड़कर भागे और अपनी जान बचाई। इस बिल्डिंग के पहले ग्राउंड फ्लोर पर एक गैलरी में आग लगी जिसमें करीब एक दर्जन दुकानें हैं। इसमें कंप्यूटर, लैपटाप, कमानी, अर्थिंग्स, वायर की ज्यादादर दुकानें है जो जलकर राख हो गई।

कानपुर का युवक चलती ट्रेन से गिरा

बाराबंकी । कानपुर से बाराबंकी के देवा शरीफ आ रहा एक युवक चलती ट्रेन से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना बाराबंकी रेलवे स्टेशन पर हुई। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने घायल युवक को तत्काल ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

यह हादसा 01415 गोरखपुर स्पेशल ट्रेन में हुआ। यह ट्रेन कानपुर से सुबह 9:30 बजे चलती है और घटना के दिन विलंब से चल रही थी। बताया गया है कि बाराबंकी रेलवे स्टेशन पर इस ट्रेन का ठहराव नहीं है, इसके बावजूद युवक ने उतरने का प्रयास किया।

अलोपशंकरी मंदिर की दुकान में भीषण आग लगी

प्रयागराज । प्रयागराज के प्रसिद्ध सिद्धपीठ अलोपशंकरी मंदिर परिसर में देर रात एक प्रसाद की दुकान में भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि आसमान में धुएं का गुबार और चार फीट ऊंची लपटें दिखाई देने लगीं। इस घटना से मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में अफरातफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही स्थानीय निवासियों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित किया।

मथुरा से अयोध्या रवाना हुआ विशेष प्रसाद, भक्ति और एकता का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। धार्मिक नगरी श्री कृष्ण जन्मभूमि से आज विशेष प्रसाद श्रद्धा और भक्ति के साथ अयोध्या के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद लिया गया, जिसके बाद भक्तों की उपस्थिति में प्रसाद को विदा किया गया।

मंदिर प्रशासन के अनुसार, यह प्रसाद भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में भक्तों और संतों के बीच वितरित किया जाएगा। प्रसाद भेजने की यह परंपरा धार्मिक एकता और आस्था का प्रतीक मानी जाती है, जो ब्रजभूमि से अयोध्या तक भक्ति का संदेश पहुंचाती है।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। "जय श्रीराम" और "राधे-राधे" के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। प्रसाद में मंदिर में तैयार किए गए मिष्ठान और सूखे प्रसाद शामिल रहे, जिन्हें पूरी शुद्धता और परंपरा का पालन करते हुए बनाया गया।

मंदिर के पुजारियों ने बताया कि ऐसे आयोजनों से देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के बीच आध्यात्मिक संबंध और अधिक सुदृढ़ होते हैं। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे, और प्रशासन व मंदिर समिति के सहयोग से प्रसाद को सुरक्षित रूप से अयोध्या के लिए रवाना किया गया।

बाराबंकी में विवाहिता का शव फंदे से लटका मिला

बाराबंकी । बाराबंकी के त्रिलोकपुर क्षेत्र में थाना फतेहपुर के शाहपुरचकबहेरवा गांव में 28 वर्षीय विवाहिता रीना देवी का शव साड़ी के फंदे से लटका मिला। घटना सोमवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे की है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

रीना देवी की शादी छह साल पहले 2020 में फतेहपुर क्षेत्र के शाहपुरचकबहेरवा निवासी वीरेंद्र कुमार से हुई थी। वह सफदरगंज थाना क्षेत्र के बनाउं गांव की रहने वाली थीं। दंपति के दो मासूम बच्चे हैं, जिनमें शिवा (6) और शिवांश (4) शामिल हैं। पति वीरेंद्र खेती करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। सोमवार सुबह जब पति वीरेंद्र अपनी सास को लेकर काम से बाहर गए हुए थे, तभी उनके मासूम बेटे शिवा ने अपनी मां को साड़ी से झूलते देखा। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे, जहां रीना का शव फंदे से लटका पाया गया।

कानपुर में लोगों ने दौड़ाकर पकड़ा, सड़क पर गिराकर जमकर पीटा

60 साल के मौलाना ने बच्ची से गंदी हरकत की

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में 60 साल के मौलाना ने 8 साल की बच्ची से रेप की कोशिश की। बच्ची चिल्लाते हुए मौलाना के चंगुल से भागी तो लोग उसे बचाने के लिए दौड़े। आरोपी भी मौके से भागा। उसे लोगों ने दौड़ाकर पकड़ लिया।

करीब 50 मीटर तक सड़क पर घसीटते हुए ले गए। लात-घूंसों और थप्पड़ों से उसकी जमकर पिटाई की। इस दौरान आरोपी गिड़गिड़ाने लगा। लोगों के सामने हाथ-पैर जोड़ने लगा।

बच्ची के परिजन जब मौके पर पहुंची तो वह उनसे लिपटकर रोने लगी। लोग मौलाना की गिरफ्तारी को लेकर हंगामा करने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस आरोपी को पकड़कर ले गई। घटना कल्याणपुर थाना क्षेत्र की है।

रेप की कोशिश करने वाले आरोपी को लोग गली में घसीटकर ले गए।

> मामले में ट्रेनी आईपीएस कल्याणपुर थाना प्रभारी सुमेध जाधव ने कहा पीड़ित परिजनों की शिकायत पर पास्को सहित अन्य गंभीर धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा जाएगा। सीसीटीवी में घटना कैद मिली है। आरोपी मो. इस्माइल को सोमवार को जेल भेज दिया गया।

चॉकलेट देने के बहाने घर बुलाया

पीड़ित के पिता ने बताया- रविवार की शाम हम लोग घर में थे। हमारी बेटी घर के बाहर खेल रही थी। तभी पड़ोस में रहने वाले मोहम्मद इस्माइल (60 साल) ने बच्ची को चॉकलेट देने के बहाने अपने घर ले गया। वहां उसने बच्ची के साथ रेप करने की कोशिश की। बच्ची ने बताया, इस्माइल ने चॉकलेट देने की बात कहकर मुझे अपने घर में ले गया। मेरे साथ गंदी हरकत करने लगा। उसने मुझे जबरदस्ती पकड़ लिया। मेरे कपड़े उतारने लगा। मैं डर गई थी। उन्हें धक्का देते हुए घर से बाहर भागी। बाहर निकलते ही शोर मचा दिया। घर पर जाकर पापा और मम्मी को जानकारी दी। तभी सभी लोग दौड़कर आए। आरोपी को गली में पकड़कर खींच लिया।

बुलंदशहर में ड्यूटी पर जाते समय सांड टकराया, 1 घंटे में दोनों की मौत

पिता की मौत सुनकर बेटी को आया हार्टअटैक

तमसा संकेत, एजेंसी

बुलंदशहर । बुलंदशहर में पिता की मौत की खबर सुनते ही नाबालिग बेटी को हार्टअटैक आ गया। उसकी भी मौत हो गई। लक्ष्मी नारायण रावल (55) नाइट ड्यूटी के लिए रविवार रात में घर से निकले थे। तभी रास्ते में उनकी बाइक से अचानक सांड टकरा गया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि वह बाइक सहित कई फीट आगे सिर के बल गिरे। उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

उधर, पिता की मौत की सूचना जैसे ही बेटी तक पहुंची, उसे गहरा सदमा लगा और उसे हार्ट अटैक आ गया। परिजन तुरंत उसे अस्पताल

> पत्नी कृष्णा देवी ने बताया कि परिवार में कुल छह बच्चे हैं। इनमें बेटे नेत्रपाल, जितेंद्र, बेटियां भावना और हेमलता की शादी हो चुकी है। ममता चौथे नंबर की संतान थी और घर पर ही रहती थी। परिवार का सबसे छोटा बेटा ललित है।

लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया।साड़ से बाइक टकराने की घटना जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर नरोरा थाना क्षेत्र की है। रावल, रामघाट गांव के रहने वाले थे। वह, डिबाई के मथुरिया इंटर कॉलेज में संविदा कर्मचारी थे। एक ही परिवार में दो मौतों से कोहराम मच गया।

परिवार में एक साथ दो मौतों से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पिता की मौत की खबर सुनते ही बेटी को हार्ट अटैक

अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा और परिजनों को फोन पर जानकारी दी। जैसे ही लक्ष्मी नारायण की मौत की खबर उनकी 17 वर्षीय बेटी ममता को मिली, उसे गहरा सदमा लगा। देखते ही देखते उसकी भी तबीयत बिगड़ गई। परिजन लेकर उसे स्थानीय अस्पताल पहुंचे। डॉक्टर ने बताया- हार्ट अटैक आया है। तत्काल इलाज शुरू हुआ लेकिन देर रात करीब 12 बजे ममता की भी मौत हो गई।

संस्कार को मिला किकबॉक्सिंग खेल का सर्वोच्च 'बेस्ट कोच अवॉर्ड'

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी । बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी (उत्तर प्रदेश) में आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह में लखनऊ के प्रसिद्ध मार्शल आर्ट्स कोच संस्कार श्रीवास्तव को इंडियन किक बॉक्सिंग ऑर्गेनाइजेशन एवं किक बॉक्सिंग एसोसिएशन उत्तर प्रदेश द्वारा किकबॉक्सिंग खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए बेस्ट कोच अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

इस सम्मान की विशेष बात यह रही कि इस वर्ष पूरे भारत में यह अवॉर्ड केवल संस्कार श्रीवास्तव को प्रदान किया गया, जो उनके समर्पण, कड़ी मेहनत और खेल के प्रति निरंतर योगदान का प्रमाण है।

अवॉर्ड प्राप्त करने के बाद संस्कार श्रीवास्तव ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व का क्षण है और यह उनके गुरुजनों, खिलाड़ियों, परिवार तथा सभी

शुभचिंतकों के प्यार और आशीर्वाद का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वे आगे भी किकबॉक्सिंग और मार्शल आर्ट्स के क्षेत्र में खिलाड़ियों को तैयार कर देश का नाम रोशन करने का कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर इंडियन किक बॉक्सिंग ऑर्गेनाइजेशन के जनरल सेक्रेटरी मनोज कुमार पटेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। साथ ही संस्था के अन्य पदाधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे और उन्होंने संस्कार श्रीवास्तव को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्कार श्रीवास्तव लखनऊ में रहकर मार्शल आर्ट्स, किकबॉक्सिंग, एमएमए, मुए थाई एवं अन्य कॉम्बैट स्पोर्ट्स का प्रशिक्षण दे रहे हैं और उनके द्वारा प्रशिक्षित कई खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चुके हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

'ईरान जंग पर ब्रेक'...

ट्रम्प ने कहा कि पिछली रात ही अमेरिका के प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ और जारेड कुशनर ने ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी।

हालांकि कुछ ही देर पहले ईरान ने दावा किया था कि ट्रम्प के साथ उनकी कोई बातचीत नहीं हुई है। ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ट्रम्प एनर्जी की कीमतें कम करने के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कड़ा बयान देते हुए कहा है कि अगर ईरान के साथ बातचीत नाकाम रहती है, तो अमेरिका हमले जारी रखेगा।

अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने कहा कि या तो समझौता होगा, नहीं तो अमेरिका लगातार बमबारी करता रहेगा। ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ईरान के एक टॉप लेवल के व्यक्ति से बातचीत कर रहा है, ताकि युद्ध को जल्द खत्म किया जा सके। हालांकि उन्होंने साफ किया कि यह बातचीत नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई से नहीं हो रही है।

CNN से बातचीत में ट्रम्प ने कहा, "हम एक अहम व्यक्ति से बात कर रहे हैं। हमने उनके लीडरशिप के कई अफसरों को खत्म कर दिया है।"

जब उनसे पूछा गया कि क्या यह बातचीत मुजतबा खामेनेई से हो रही है, तो ट्रम्प ने साफ कहा, "नहीं, सुप्रीम लीडर से नहीं।"

जर्मन चांसलर बोले...

उन्होंने कहा, "मैं आभारी हूं कि उन्होंने हमलों को 5 दिन के लिए टाल दिया। इससे अब सीधे बातचीत की संभावना भी बनी है।" मर्ज के मुताबिक, यह फैसला तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम है और इससे कूटनीतिक समाधान की उम्मीद बढ़ी है। गौरतलब है कि ट्रम्प ने पहले ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन बाद में बातचीत का हवाला देते हुए हमले टाल दिए।

ट्रम्प का दावा- ईरान...

हालांकि, ईरान की ओर से इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ईरानी मीडिया पहले ही कह चुका है कि ईरान और अमेरिका के बीच कोई बातचीत नहीं चल रही है।

14 किग्रा सिलेंडर...

मिनिस्ट्री ऑफ शिपिंग एंड वाटरवेज के स्पेशल सेक्रेटरी राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि स्टेट ऑफ होर्मुज को पार करने वाले दो LPG टैंकर भारत की ओर रवाना हो चुके हैं। इन दोनों जहाजों में कुल मिलाकर लगभग 92,700 मीट्रिक टन LPG है। हालांकि, इनके पहुंचने के सही समय और अन्य जानकारी फिलहाल नहीं है।

सप्लाई के दबाव को कम करने के लिए सरकार ने पिछले तीन हफ्तों में रिकॉर्ड काम किया है। सुजाता शर्मा ने बताया कि पिछले 21 दिनों के भीतर देश में लगभग 3.5 लाख नए घरेलू और कमर्शियल PNG (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन चालू या एक्टिव किए गए हैं। इससे उन लोगों को राहत मिली है जो अब तक पूरी तरह से सिलेंडर पर निर्भर थे। पाइप गैस के विस्तार से घरेलू सिलेंडरों की डिमांड कम करने में मदद मिलेगी।

मोदी 100% ट्रम्प...

अगर ट्रम्प कहेंगे कि रूस, ईरान, वेनेजुएला से तेल नहीं खरीदना है तो नहीं खरीदेंगे। आप जो हुक्म करेंगे, हम वही करेंगे। राहुल ने वडोदरा में 'आदिवासी अधिकार संवाद' कार्यक्रम में कहा- आदिवासी का मतलब है- हिंदुस्तान के असली मालिक। यहां की 'जल-जंगल-जमीन' आपकी है। लेकिन RSS-BJP एक नया शब्द लेकर आई है- 'वनवासी', जिसका मतलब है कि आप सिर्फ जंगल में रहते हैं। 'जल-जंगल-जमीन' के मालिक नहीं हैं। गुजरात में नगर निगम और जिला पंचायत चुनावों की घोषणा होने वाली है। राज्य विधानसभा का सत्र 25 मार्च को खत्म हो जाएगा। इसके बाद 26 मार्च गुजरात राज्य चुनाव आयोग लोकल बॉडी चुनावों के लिए शेड्यूल का ऐलान कर सकता है। इससे पहले राहुल गांधी पिछले साल 12 सितंबर को जूनागढ़ पहुंचे थे, तब उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों के कार्यक्रम को संबोधित किया था। निकाय चुनाव के मद्देनजर राहुल गांधी के दौरे के बाद कांग्रेस के कुछ अन्य नेताओं के बीच गुजरात आने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

आरोप : चुनाव आयोग...

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) में सोमवार को सीटों का बंटवारा हो गया है। भाजपा 234 सीटों में से 27 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

राज्य में गठबंधन का नेतृत्व कर रही AIADMK 178 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं पट्टाली मक्कल काची (PMK) को 18 और अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (AMMK) को 11 सीटें मिली हैं। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग की है। कांग्रेस का आरोप है कि चंद्रशेखर के पास कोरमंगला में 49,000 स्क्वॉयर फीट का करीब 200 करोड़ रुपए का बंगला है, जिसकी जानकारी हलफनामें में छिपाई है। असम चुनाव के लिए कांग्रेस ने 7 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की है। पार्टी 101 सीटों पर उम्मीदवार उतार चुकी है।

पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम में भगवान राम की मूर्ति तोड़ने का आरोप लगाया।

होर्मुज का रास्ता...

सरकार ने भविष्य की तैयारी बढ़ाते हुए शांति एप माध्यम से न्यूक्लियर एनर्जी उत्पादन को बढ़ावा दिया है। अगले 5 साल में 1500 मेगावॉट नई हाइड्रो पावर कैपिसिटी जोड़ी जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक बड़ा सवाल ये है कि युद्ध का खेती पर क्या असर होगा। देश के किसानों ने हमारे अन्न के भंडार भर रखे हैं। इसलिए हमारे पास पर्याप्त खाद्यान्न है। हमारा ये भी प्रयास है कि खरीफ सीजन की ठीक से बुआई हो सके। सरकार ने आपात स्थिति से निबटने के लिए पर्याप्त इंतजाम हैं।

उन्होंने कहा कि अतीत में भी हमारी सरकार ने दुनिया के संकटों का बोझ किसानों पर नहीं पड़ने दिया था।

उस वक्त भी ग्लोबल सप्लाई चेन में कमी आ गई थी। दुनिया के बाजार में यूरिया की एक बोरी 3 हजार तक पहुंच गई थी। भारत के किसानों को यूरिया की एक बोरी 300 रुपए से भी कम कीमत में दिलाई गई। किसानों को ऐसे संकटों से बचाने के लिए भी कई कदम उठाए गए हैं।

जमाखोरी करने वालों...

देश की हर सरकार और देश का हर नागरिक जब मिलकर चलेंगे तो हम हर चुनौती को चुनौती दे सकेंगे।

गेहूं का एमएसपी...

कानपुर के घाटमपुर में 660 मेगावॉट की तीन इकाइयों वाला पावर प्लांट केंद्र और यूपी सरकार का साझा उपक्रम है। इसकी दो इकाइयां शुरू हो चुकी हैं और तीसरी जल्द शुरू होनी है। कोल माइन विकासः झारखंड में केंद्र सरकार द्वारा आवंटित कोल ब्लॉक के विकास के लिए कैबिनेट ने 2242.90 करोड़ रुपये के खर्च को मंजूरी दी है। फायदाः इस माइन से 270 मिलियन टन कोयला निकलने का अनुमान है। अभी कोयला दूर से लाना पड़ता है, लेकिन अपनी माइन शुरू होने से बिजली उत्पादन की लागत कम होगी, जिससे बिजली 80 पैसे प्रति यूनिट तक सस्ती होने की उम्मीद है।

ज्यूडिशियरी हद से...

उन्होंने विरोध प्रदर्शन और सोशल मीडिया एक्टिविटी जैसे छोटे मुद्दों पर मनमाने ढंग से क्रिमिनल केस दर्ज किए जाने की निंदा की। अपनी स्पीच के दौरान जस्टिस भुइयां ने धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) जैसे कानूनों के तहत आरोपियों को लंबे समय तक हिरासत में रखे जाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा- PMLA प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, ऐसे मामलों से निपटने का एक बड़ा साधन है, लेकिन कानून का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल इसके असर को कमजोर करता है।

हर्षित राणा के रिप्लेसमेंट पर फैसला बाकी, लीग में अब तक 10 खिलाड़ियों के खेलने पर संशय

सौरभ दुबे-दसुन शनाका आईपीएल में हुए शामिल

दसुन शनाका गुजरात टाइटंस के लिए IPL खेल चुके हैं।

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL का 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है। पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा।

सीजन शुरू होने से पहले ही 10 खिलाड़ी या तो पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं या शुरुआती मैचों में उपलब्ध नहीं रहेंगे।

कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने आकाश दीप की जगह सौरभ दुबे को टीम में शामिल किया है, जबकि हर्षित राणा और मथीशा पथिराना के रिप्लेसमेंट का अब तक ऐलान नहीं हुआ है।

आकाश दीप ने IPL के 14 मैचों में 10 विकेट ले चुके हैं।

वहीं, राजस्थान रॉयल्स ने सैम करन की जगह दसुन शनाका को टीम से जोड़ा है।

कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने अभी तक हर्षित राणा और मथीशा पथिराना के रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया है। टीम के एक अधिकारी ने क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज को बताया कि हर्षित राणा के विकल्प पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। टीम के अंदर यह माना जा रहा है कि राणा के स्तर का कोई भारतीय विकल्प फिलहाल उपलब्ध नहीं है।

> सौरभ दुबे पिछले साल दिसंबर में हुए मिनी ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे। उनकी बेस प्राइस 30 लाख रुपए थी और वे रजिस्टर्ड अवेलेबल प्लेयर पूल में शामिल थे, जिससे उन्हें रिप्लेसमेंट के तौर पर चुना जा सका। दुबे को 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद ने साइन किया था, लेकिन चोट के कारण वे बाहर हो गए थे।

केकेआर ने रहमान की जगह मुजरबानी को चुना

13 मार्च को KKR ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को अपने साथ जोड़ा था। फ्रेंचाइजी ने उन्हें बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के रिप्लेसमेंट के रूप में साइन किया है। रहमान को BCCI के निर्देश के बाद फ्रेंचाइजी ने रिलीज कर दिया था।

केकेआर ने सौरभ दुबे को आकाश की जगह शामिल किया

कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने IPL 2026 के लिए सौरभ दुबे को टीम में शामिल किया है। 28 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दुबे, आकाश दीप की जगह लेंगे। आकाश चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं।

सौरभ दुबे विदर्भ के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद टीम का हिस्सा रह चुके हैं, लेकिन अभी तक IPL में डेब्यू नहीं कर पाए हैं। पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता सुब्रतो बनर्जी ने दुबे को प्रतिभाशाली गेंदबाज बताया।

उन्होंने कहा कि दुबे गेंद से स्विंग कराने के साथ पिच से अतिरिक्त उछाल भी हासिल करते हैं। बनर्जी ने 2019 में राहुल द्रविड़ के साथ बांग्लादेश दौरे के दौरान उन्हें करीब से देखा था, जब वे ACC इमर्जिंग टीम्स एशिया कप टीम में थे।

अल्कराज मियामी ओपन से बाहर सेबेस्टियन कोर्डा ने हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

मियामी ओपन में रविवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन कार्लोस अल्कराज टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में हारकर बाहर हो गए हैं।

उन्हें अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा ने तीन सेटों के कड़े मुकाबले में 6-3, 5-7, 6-4 से मात दी। मैच 2 घंटे 19 मिनट चला।

कार्लोस अल्काराज, जिन्होंने जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया, इस सीजन में अब तक 19 मैच खेल चुके हैं, जिनमें उन्होंने 17 जीत और 2 हार दर्ज की हैं।

इंडियन वेल्स में भी उनका सफर सेमीफाइनल में समाप्त हुआ, जहां उन्हें डेनियल मेदवेदेव के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

यह लगातार दूसरा साल है जब अल्कराज को मियामी में शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा है। पिछले साल भी उन्हें दूसरे दौर में डेविड गोफिन ने हराकर चौंकाया था।

हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए इस मैच में अल्कराज अपनी लय में नजर नहीं आए। मानसिक मजबूती के लिए पहचाने जाने वाले अल्कराज मैच के दौरान काफी हताश दिखे। पहले सेट में 3-6 से पिछड़ने और दूसरे सेट की शुरुआत में सर्विस टूटने के बाद उन्होंने अपने बॉक्स (कोचिंग टीम) की तरफ चिल्लाते हुए कहा,'अब मुझसे और बर्दाश्त नहीं होता। मैं घर जा रहा हूं... मैं अब और नहीं झेल सकता।' उनके इस व्यवहार ने फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि वे आमतौर पर मैदान पर शांत और मुस्कुराते हुए नजर आते हैं।

हार के बीच हताश दिखे, बोले- अब और बर्दाश्त नहीं होता, मैं घर जा रहा हूं

बांग्लादेश आईपीएल बैन पर समीक्षा करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश में इंडियन प्रीमियर लीग के प्रसारण पर लगे बैन की समीक्षा जल्द हो सकती है। युवा एवं खेल राज्य मंत्री अमीनुल हक ने क्रिकबज'से बातचीत में कहा कि वे इस बात की भी जांच करेंगे कि दुनिया की सबसे बड़ी टी-20 लीग IPL के प्रसारण पर बांग्लादेश में बैन क्यों लगाया गया है। वे स्थिति को समझने के बाद इस पर दोबारा फैसला लेंगे।

वहीं, सुरक्षा चिंताओं के आधार पर खिलाड़ियों के PSL में खेलने पर भी अंतिम फैसला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की रिपोर्ट के बाद ही लिया जाएगा।

प्रोफेसर यूनुस के नेतृत्व वाली पिछली अंतरिम सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लिया था। इसके साथ ही बांग्लादेश में IPL के प्रसारण पर भी रोक लगा दी गई थी।

> खेल मंत्री बोले-स्थिति को समझने के बाद इस पर फैसला लेंगे सुरक्षा रिपोर्ट के बाद पीएसएल पर भी निर्णय

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला उस विवाद के बाद लिया गया था, जब कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) से मुस्तफिजुर रहमान को हटाया गया था। हालांकि, मौजूदा युवा एवं खेल राज्य मंत्री अमीनुल हक ने कहा है कि खेल को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ बेहतर और दोस्ताना संबंध चाहता है।

ब्राजील फुटबॉल फेडरेशन के साथ विवाद गहराया, अनसेलोटी से भी नहीं मिले, फिटनेस पर भी सवाल

नेमार का वर्ल्ड कप खेलने का सपना लगभग खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी

नेमार जूनियर के 2026 फीफा वर्ल्ड कप में खेलने की उम्मीदें अब लगभग खत्म होती नजर आ रही हैं। नेमार ने पहले संकेत दिए थे कि यह उनका आखिरी वर्ल्ड कप हो सकता है, लेकिन ब्राजील फुटबॉल फेडरेशन (CBF) के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए ऐसा संभव होता नहीं दिख रहा है। नेमार की फिटनेस लंबे समय से टीम के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। सांतोस FC के लिए खेलते हुए भी वे लगातार चोटिल रहे हैं और मैदान पर कम ही नजर आए हैं। 2023 में घुटने की गंभीर चोट के बाद से वे नियमित रूप से मैच नहीं खेल पा रहे हैं। CBF के अधिकारियों का मानना है कि इंटरनेशनल स्तर के बड़े टूर्नामेंट के लिए जिस मैच फिटनेस की जरूरत होती है, नेमार फिलहाल उसके करीब भी नहीं हैं। बार-बार लगने वाली चोटों के कारण बोर्ड का भरोसा भी उन पर कुछ कम हुआ है। ब्राजील के कोच कार्लो अनसेलोटी ने हाल ही में प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ कहा कि नेमार वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा बन सकते हैं, लेकिन इसके लिए उनका 100% फिट होना जरूरी है। फिलहाल वे पूरी तरह फिट नहीं हैं, इसलिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया है। अनसेलोटी ने यह भी कहा कि नेमार को ट्रेनिंग और मैच खेलकर अपनी फिटनेस और प्रदर्शन के जरिए खुद को साबित करना होगा। हालांकि नेमार के पास अभी सांतोस के लिए इस सीजन में कुछ मैच बचे हैं, जहाँ वे अपनी फॉर्म और फिटनेस साबित कर सकते हैं। लेकिन फेडरेशन के भीतर चल रही चर्चाओं को देखें तो उनकी वापसी किसी चमत्कार से कम नहीं होगी। जानकारों का कहना है कि कोच और फेडरेशन अब युवा खिलाड़ियों पर फोकस कर रहे हैं और नेमार के व्यवहार ने उनकी स्थिति और खराब कर दी है।

> सीएनएन ब्राजील की रिपोर्ट के अनुसार सीबीएफ के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि नेमार का टीम में चयन अब "अत्यंत जोखिम भरा" हो गया है और यह लगभग नामुमकिन सा लगता है।

वार्म-अप मैचों से बाहर, वीडियो में जताई निराशा

कुछ दिन पहले ही ब्राजील कोच कार्लो एंसेलॉटी ने आगामी वर्ल्ड कप वार्म-अप मैचों (फ्रांस और क्रोएशिया के खिलाफ) के लिए टीम घोषित की, जिसमें नेमार का नाम नहीं था। नेमार ने साओ पाउलो में एक इवेंट पर कहा कि वे डिसअपॉइंटेड और सैड हैं। उन्होंने एक वीडियो जारी कर अपनी फिटनेस पर काम करने और टीम में वापसी की इच्छा जताई। लेकिन CBF के अंदर ये रिएक्शन अच्छा नहीं लिया गया।

ब्राजील के हेड कोच कार्लो अनसेलोटी ने कहा कि नेमान अभी 100 प्रतिशत फिट नहीं है।

कोच कार्लो अनसेलोटी का अपमान भारी पड़ा

हाल ही में एक ऐसी घटना हुई जिसने नेमार की टीम में वापसी के रास्ते लगभग बंद कर दिए। ब्राजील के हेड कोच कार्लो अनसेलोटी विशेष रूप से नेमार का खेल देखने के लिए सांतोस FC और मिरासोल के बीच मैच देखने पहुंचे थे। अनसेलोटी ने इसके लिए प्राइवेट जेट लिया और आखिरी समय में यात्रा की ताकि वे नेमार की फिटनेस का आकलन कर सकें। हालांकि, नेमार उस मैच में 'वर्कलोड मैनेजमेंट'का हवाला देकर नहीं खेले। इतना ही नहीं, उन्होंने कोच से मिलने या उनसे बात करने की भी कोई कोशिश नहीं की। बोर्ड इसे अनुशासनहीनता और कमिटमेंट की कमी मान रहा है।

मनोरंजन

आदित्य पंचोली के डर से बिल्डिंग से कूदीं, चंबल में डाकुओं के गन पॉइंट पर आईं, 4 नेशनल अवॉर्ड जीतकर बनाया रिकॉर्ड

40 की हुई कंगना रनोट

मुंबई। साल था 2005 का जब 18-19 साल की लड़की, मुंबई में हीरोइन बनने का सपना लेकर आई थी, ऑडिशन के जरिए काम ढूंढ रही थी। एक दिन, जब वो कॉफी के एक एड के लिए गई, तब कुछ लड़कियां फिल्म गैंगस्टर के ऑडिशन के लिए महेश भट्ट के ऑफिस जा रही थीं। वो भी उनके साथ चली गई और ऑडिशन दे दिया।

पहले तो उसे वो रोल नहीं मिला, लेकिन जब चुनी गई एक्ट्रेस से संपर्क नहीं हो पाया, तो उसे मेकर्स का अचानक फोन आया और पूछा, 'पासपोर्ट है? अगर नहीं है, तो एक हफ्ते में बनवा लो, फिल्म मिल सकती है।'

इसके बाद उसे फिल्म मिली और उसकी फिल्म गैंगस्टर सुपरहिट साबित हुई और वो रातों-रात स्टार बन गई।

हम बात कर रहे हैं कंगना रनोट की। आज वही कंगना 40 साल की हो चुकी हैं। कंगना का जन्म 23 मार्च 1986 को हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के भांबला (अब सूरजपुर) में एक राजपूत परिवार में हुआ। उनकी मां आशा रनोट एक स्कूल टीचर हैं, जबकि पिता अमरदीप रनोट एक बिजनेसमैन हैं। संयुक्त परिवार में पली-बढ़ीं कंगना बचपन से ही जिद्दी और विद्रोही स्वभाव की थीं और समाज में लड़कियों के प्रति भेदभाव पर सवाल उठाती थीं।

'गैंगस्टर' में रोल पहले चित्रांगदा को मिला था

साल 2006 में कंगना ने फिल्म गैंगस्टर से बॉलीवुड में कदम रखा था। पहली फिल्म गैंगस्टर मिलने को लेकर कंगना ने टीवी शो 'आप की अदालत' में बताया था कि एक दिन वह कॉफी के एक एड का ऑडिशन देने गई थीं, तभी उन्होंने देखा कि कुछ लड़कियां महेश भट्ट के ऑफिस फिल्म गैंगस्टर के ऑडिशन के लिए जा रही हैं। जिसके बाद कंगना भी ऑडिशन देने के लिए चली गईं। ऑडिशन के बाद फिल्म के मेकर्स ने उन्हें बुलाया कंगना की तारीफ तो की, लेकिन कहा कि वह इस रोल के लिए काफी छोटी हैं, क्योंकि किरदार एक बच्चे की मां का था। इसके बाद उस वक्त इस रोल के लिए एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह को सेलेक्ट कर लिया गया।

अचार और ब्रेड पर भी किया गुजारा

महज 16 साल की उम्र में कंगना अपनी खुद की पहचान बनाने की तलाश में दिल्ली आ गईं। यहां उन्होंने मॉडलिंग से शुरुआत की, फिर एक्टिंग की ओर रुख किया और अस्मिता थिएटर ग्रुप में डायरेक्टर अरविंद गौर के मार्गदर्शन में एक्टिंग सीखी और नाटकों में हिस्सा लिया। फिर अरविंद गौर की ही सलाह पर फिल्मों में किस्मत आजमाने के लिए कंगना मुंबई पहुंच गईं। मुंबई पहुंचने के बाद कंगना को कई बार केवल ब्रेड और अचार खाकर दिन गुजारने पड़े।

फैशन के लिए पहला नेशनल अवॉर्ड मिला

गैंगस्टर के बाद कंगना ने वो लम्हे और लाइफ इन ए मेट्रो जैसी फिल्मों में इमोशनल और मुश्किल किरदार निभाकर अपनी पहचान मजबूत की। इसके बाद साल 2009 से 2012 के बीच कंगना के करियर में उतार-चढ़ाव आए।

साल 2008 में आई फिल्म फैशन उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस के लिए पहला नेशनल अवॉर्ड मिला।

युद्ध और तनाव के बीच दुबई जाएंगे राम कपूर

बुर्ज खलीफा वाले घर का रिनोवेशन कराएंगे

मुंबई। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे हालातों के बीच टीवी और बॉलीवुड एक्टर राम कपूर अगले हफ्ते दुबई जाने की तैयारी कर रहे हैं। दरअसल, दुबई के बुर्ज खलीफा में राम कपूर का अपना एक घर है, जिसका काम लंबे समय से अधूरा पड़ा है।

वहां के मौजूदा हालात सफर के लिए सुरक्षित नहीं माने जा रहे हैं, लेकिन काम पूरा करने की मजबूरी और डेडलाइन के दबाव की वजह से राम कपूर यह जोखिम उठा रहे हैं। 'काम पूरा करने के अलावा कोई और चारा नहीं बचा' बातचीत में राम कपूर ने अपने इस फैसले की वजह बताई। उन्होंने कहा, ₹पिछली बार हम वहां करीब एक हफ्ते के लिए गए थे। मुझे लगा था कि मुंबई वापस आकर थोड़े दिन इंतजार करूंगा और जब हालात शांत होंगे तब काम शुरू करवाऊंगा। लेकिन अब मेरे पास कोई और चारा नहीं बचा है। ऐसा नहीं लग रहा कि हालात जल्द ठीक होंगे, बल्कि ये और बिगड़ते जा रहे हैं। अगर ऐसा ही रहा तो मैं और देर नहीं कर सकता। मुझे तय टाइमलाइन के हिसाब से काम पूरा करना ही होगा।

मेकअप आर्टिस्ट ने शेयर किया ट्रांसफॉर्मेशन वीडियो, फैंस बोले- हमें लगा एआई है

धुरंधर 2 में रणवीर सिंह का घोस्ट लुक वायरल

मुंबई। आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर लगातार रिकॉर्ड बना रही है। अब फिल्म के कलेक्शन के साथ-साथ अब रणवीर सिंह के 'घोस्ट' लुक की भी खूब चर्चा हो रही है।

सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट प्रीतिशील सिंह ने सोशल मीडिया पर एक बिहाइंड-द-सीन (BTS) वीडियो शेयर किया है।

इसमें दिखाया गया है कि कैसे रणवीर सिंह को फिल्म के डरावने 'घोस्ट बॉर्न ऑफ शैडोज' लुक में बदला गया।

इस वीडियो को देख फैंस हैरान हैं, क्योंकि अब तक लोग इसे कंप्यूटर ग्राफिक्स (VFX) का कमाल मान रहे थे।

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई लोगों ने माना कि उन्हें लगा था कि फिल्म में रणवीर का यह चेहरा पूरी तरह से VFX या AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) की मदद से बनाया गया है। एक यूजर ने कमेंट किया, ₹ओह! मुझे लगा था यह VFX था।₹ वहीं दूसरे ने लिखा, ₹मुझे लगा यह CGI है। फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों ने भी फिल्म और डायरेक्टर आदित्य धर की सराहना की है। कंगना रनौत ने आदित्य को 'सुपरस्टार फिल्ममेकर' बताते हुए कहा कि वे फिल्म इंडस्ट्री में एक बड़ा बदलाव लेकर आए हैं। कंगना ने उनकी तुलना स्टीवन स्पीलबर्ग और क्रिस्टोफर नोलन जैसे दिग्गजों से की।

वहीं 'बाहुबली' फेम डायरेक्टर एसएस राजामौली ने कहा कि आदित्य धर ने इस फिल्म के साथ कमाल कर दिया है। राकेश रोशन ने तो इसे 'फिल्म मेकिंग के नए युग' की शुरुआत बताया है।

घंटों चली मेकअप प्रोसेस

मेकअप आर्टिस्ट प्रीतिशील सिंह ने इंस्टाग्राम पर जो वीडियो शेयर किया है, उसमें रणवीर सिंह बहुत ही शांति से बैठे नजर आ रहे हैं। आर्टिस्ट्स की एक पूरी टीम बड़ी बारीकी से उनके चेहरे पर पेंट कर रही है और एक-एक लेयर जोड़कर उन्हें डरावना रूप दे रही है। प्रीतिशील ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, जब आपका दिमाग थक जाता है, तो भ्रम अपनी झूठ को उन रंगों में रंग देता है जिन पर आप यकीन करना चाहते हैं। रणवीर सिंह को 'घोस्ट बॉर्न ऑफ शैडोज' में बदलते हुए।

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर चिल्लाता रहा- स्टॉप, स्टॉप, पायलट और को-पायलट की मौत

न्यूयॉर्क एयरपोर्ट पर विमान और फायर ट्रक की टक्कर

हादसा

- सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो-फोटो में विमान के अगले हिस्से में नुकसान दिख रहा है।

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका के न्यूयॉर्क में ला गार्डिया एयरपोर्ट पर रविवार रात (स्थानीय समयानुसार) एयर कनाडा एक्सप्रेस का एक विमान लैंडिंग के समय रनवे पर एक फायर ट्रक से टकरा गया। इससे विमान का अगला हिस्सा पूरी तरह नष्ट हो गया। यह फ्लाइट मॉन्ट्रियल से आ रही थी।

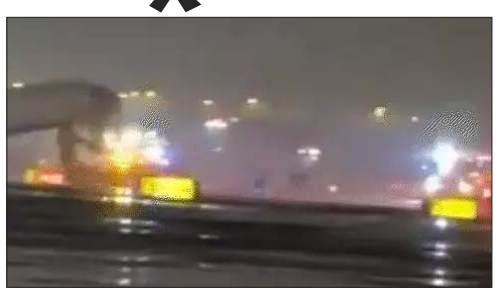

न्यूयॉर्क के ला गार्डिया एयरपोर्ट पर एयर कनाडा का विमान रनवे पर फायर ट्रक से टकरा गया। हादसे में 4 लोग घायल हुए हैं।

हादसे में पायलट और को-पायलट की मौत हो गई, जबकि ट्रक में सवार दो लोग घायल हुए हैं। जैज एविएशन के मुताबिक, CRJ-900 विमान में कुल 72 यात्री और 4 क्रू मेंबर सवार थे। टक्कर के तुरंत बाद रनवे 4 को बंद कर दिया गया। एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लागू करते हुए सभी फ्लाइट ऑपरेशन रोक दिए गए और आने वाली उड़ानों को डायवर्ट किया गया। हादसे से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने विमान और ग्राउंड वाहन दोनों को रुकने के लिए कहा था, लेकिन फिर भी टक्कर हो गई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो-फोटो में विमान के अगले हिस्से में नुकसान दिख रहा है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद रनवे को बंद कर दिया गया।

एयरपोर्ट पर आने वाले विमानों को डायवर्ट किया गया

फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) ने एयरक्राफ्ट इमरजेंसी घोषित करते हुए तुरंत ग्राउंड स्टॉप लगा दिया। एयरपोर्ट को सोमवार दोपहर 2 बजे तक बंद रखने की बात कही गई है।

घटना के बाद रनवे पर बड़ी संख्या में इमरजेंसी वाहन पहुंच गए। रात 2 बजे तक रनवे पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी था। हादसे से पहले एयरपोर्ट ने हल्की बारिश और कोहरे के कारण फ्लाइट डिसरप्शन की चेतावनी दी थी। फिलहाल जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि रनवे पर वाहन कैसे पहुंचा और टक्कर कैसे हुई।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद रनवे को बंद कर दिया गया।

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने विमान को रोकने की कोशिश की थी

लैंडिंग से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने विमान को रोकने की कोशिश की थी। वायरल ऑडियो में एयर ट्रैफिक कंट्रोलर ने पहले ट्रक को रनवे पार करने की अनुमति दी थी, लेकिन थोड़ी ही देर बाद कंट्रोलर लगातार "स्टॉप, स्टॉप, ट्रक 1" चिल्लाता रहा। हालांकि, कुछ ही सेकंड में टक्कर हो गई। कंट्रोलर की आवाज रिकॉर्डिंग में सुनाई देती है- "JAZZ 646, आप वाहन से टकरा गए हैं, वहीं रुके रहें, मदद पहुंच रही है।" फ्लाइट लैंडिंग के बाद रनवे पर करीब 130 मील प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रही थी। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में विमान के आगे के हिस्से में नुकसान और कॉकपिट उठा हुआ दिखाई दे रहा है।

ट्रंप का अल्टीमेटम और ईरान ने दी होर्मुज बंद करने की धमकी

तेल की कीमतों में लगी आग से यूएस भी झुलसा

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका में रविवार को तेल की कीमतें बढ़ गईं। हाल ही में राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान को होर्मुज स्ट्रेट से ईंधन वाले जहाजों को निकलने का अल्टीमेटम दिया था, जिसके जवाब में तेहरान ने इसे अनिश्चितकाल के लिए बंद करने की धमकी दी। वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड बाजार खुलने पर 1.69% बढ़कर लगभग114.09 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यूएस क्रूड 2% बढ़कर 100.29 डॉलर हो गया। गोल्डमैन सैक्स ने शुक्रवार को संकेत दिया कि ये ऊंची कीमतें 2027 तक बनी रह सकती हैं। ट्रंप ने इस वीकेंड पर कहा कि अगर सोमवार शाम तक होर्मुज स्ट्रेट को फिर से नहीं खोला गया तो संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के बिजली संयंत्रों को रूपरी तरह से तबाहर कर देगा। इसके जवाब में ईरान ने कहा कि अगर ट्रंप अपनी धमकियों को सच कर दिखाते हैं तो

वह होर्मुज को पूरी तरह से बंद कर देगा और तब तक इसे फिर से नहीं खोलेगा, जब तक कि नष्ट हुए बिजली संयंत्रों का पुनर्निर्माण नहीं हो जाता। ईरान में चल रहे युद्ध को अब चौथा हफ्ता शुरू हो चुका है और इसके कारण तेल की आपूर्ति में भारी बाधा उत्पन्न हुई है।

तेल की बढ़ती कीमतें अमेरिकियों के लिए गैस की कीमतें भी बढ़ा रही हैं, जिन्हें पंप पर ज्यादा पैसे देने पड़ रहे हैं। रविवार को अमेरिका में एक गैलन की औसत कीमत 3.94 डॉलर तक पहुंच गई, जो युद्ध शुरू होने के बाद से लगभग एक डॉलर ज्यादा है।

फास्ट न्यूज

लंदन में यहूदी एम्बुलेंस सेवा के वाहनों में लगाई आग

लंदन । लंदन में एक यहूदी चैरिटी संगठन की चार एम्बुलेंस गाड़ियों को सोमवार तड़के आग के हवाले कर दिया गया। ब्रिटिश पुलिस इस घटना की जांच घृणा अपराध (हेट क्राइम) के तौर पर कर रही है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे यहूदी-विरोधी हमला बताया। उन्होंने कहा, 'मेरी संवेदनाएं यहूदी समुदाय के साथ हैं, जो आज सुबह इस भयावह खबर के साथ जागा है।'

ट्रंप फैमिली की सट्टेबाजी की दुनिया में एंट्री से मची हलचल

नई दिल्ली। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में इन दिनों प्रेडिक्शन मार्केट को लेकर राजनीतिक और कानूनी बहस तेज हो गई है। ट्रंप परिवार की इन प्लेटफॉर्म से बढ़ती निकटता ने पारदर्शिता और हितों के टकराव पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप ने हाल ही में ट्रुथ प्रेडिक्ट नामक अपना प्रेडिक्शन मार्केट प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की घोषणा की है, जो ट्रुथ सोशल ऐप में एकीकृत होगा। वहीं, राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के बड़े बेटे डोनल्ड ट्रंप जूनियर प्रमुख प्लेटफॉर्म्स काल्शी और पॉलीमार्केट से सलाहकार और निवेशक के रूप में जुड़े हुए हैं।

सेंसेक्स 1837 अंक गिरकर 72,696 पर बंद

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 23 मार्च को बड़ी गिरावट रही। सेंसेक्स 1837 अंक (2.46%) की गिरावट के साथ 72,696 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 602 अंक (2.60%) की गिरावट रही, ये 22,513 पर बंद हुआ। आज बैंकिंग, ऑटो, मेटल और FMCG शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही। अमेरिका और इजराइल की ईरान के साथ जारी जंग के बीच आज कच्चे तेल की कीमतों में तेजी है। ब्रेंट क्रूड आज 1% से ज्यादा बढ़कर 113 डॉलर प्रति बैरल के पार कारोबार कर रहा है। वहीं इंडियन बास्केट की कीमतें 156 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। खाड़ी देशों में जारी ईरान की जंग से आज रुपया डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। रुपया डॉलर के 48 पैसे गिरकर मुकाबले 94.01 के स्तर पर बंद हुआ है। विदेशी संस्थागत निवेशक (FIIs) ने 20 मार्च को

निफ्टी भी 602 अंक टूटा, बैंकिंग और ऑटो शेयर्स में ज्यादा बिकवाली रही

5,518 करोड़ की नेट बिकवाली की। घरेलू संस्थागत निवेशकों (DIIs) ने इस दौरान 5,706 करोड़ की खरीदारी की। अब तक मार्च में FIIs 86,780 करोड़ निकाल चुके हैं। वहीं DIIs ने 101,168 करोड़ की खरीदारी की है। इससे पहले शुक्रवार यानी 20 मार्च को शेयर बाजार में तेजी रही थी। सेंसेक्स 325 अंक (0.44%) चढ़कर 74,532 के स्तर पर बंद हुआ था।

1500 किलोमीटर तय कर पहुंचीं ईरानी मिसाइलें, कैसे फेल हुए थाड, एरो और आयरन डोम

डिमोना शहर पर हमले से इजराइली डिफेंस की खुली पोल

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल के सबसे सुरक्षित इलाकों में उसका मुख्य परमाणु रिसर्च सेंटर माना जाता है। डिमोना न्यूक्लियर फैसिलिटी नेगेव रेगिस्तान में डिमोना शहर के पास स्थित है। यहां सुरक्षा बहुत कड़ी रहती है और इसे बचाने के लिए कई परतों वाली मिसाइल डिफेंस सिस्टम लगी हुई है। लेकिन शनिवार रात एक चौंकाने वाली घटना हुई। ईरान की दो बैलिस्टिक मिसाइलें इजराइल के एयर डिफेंस को चकमा देकर डिमोना और पास के शहर अराद के रिहायशी इलाकों में गिर गईं।

ये दोनों हमले करीब तीन घंटे के अंतर से हुए। दोनों हमलों को रोकने में आयरन डोम, डेविड्स स्लिंग, एरो-3 और अमेरिकी डिफेंस सिस्टम

THAAD फेल हो गए। इजराइल के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इस हमले में 180 लोग घायल हुए हैं, जिनमें कुछ की हालत गंभीर है।

इजराइल के पास कई तरह के एयर डिफेंस सिस्टम हैं। आयरन डोम छोटे रॉकेट रोकने के लिए है। डेविड्स स्लिंग मध्यम दूरी की मिसाइलों के लिए इस्तेमाल होता है। सबसे एडवांस सिस्टम एरो-3 है, जो अंतरिक्ष के पास ही मिसाइल को नष्ट करने की क्षमता रखता है। इसके अलावा अमेरिका का THAAD सिस्टम भी वहां तैनात है।

इजराइल बोला- अब तक 400 ईरानी मिसाइलें रोकीं

इजराइल का दावा है कि वह ज्यादातर मिसाइलों को रोक लेता है। इजराइली वायुसेना के अनुसार, 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले के बाद से अब तक ईरान 400 मिसाइलें दाग चुका है, जिनमें से 92 प्रतिशत को हवा में ही रोक लिया गया। हालांकि शनिवार रात की यह घटना दिखाती है कि कोई भी सुरक्षा सिस्टम 100 प्रतिशत सुरक्षित नहीं होता। अब जांच की जा रही है कि आखिर ये मिसाइलें इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम को कैसे पार कर गईं।

इसके बावजूद ये मिसाइलें अंदर तक पहुंच गईं। इससे सवाल उठ रहे हैं कि आखिर गलती कहां हुई। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह ऑपरेशन की नाकामी हो सकती है, यानी सिस्टम सही था लेकिन उसे इस्तेमाल करने में चूक हुई। एक और बड़ी चिंता यह भी सामने आ रही है कि कहीं इजराइल अपने सबसे महंगे और ताकतवर इंटरसेप्टर मिसाइलों का इस्तेमाल बचाकर तो नहीं कर रहा।

इजराइल ने माना- ईरानी मिसाइलें रोकने में नाकाम रहे

डिमोना में स्थित शिमोन पेरेस नेगेव परमाणु रिसर्च सेंटर को आम तौर पर 'डिमोना रिएक्टर' कहा जाता है। माना जाता है कि यहां इजराइल के परमाणु हथियार मौजूद हैं, हालांकि इजराइल ने कभी इसे आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया।

यह देश के सबसे सुरक्षित इलाके माना जाता है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह रही कि इजराइली सेना ने खुद माना कि उसने इन मिसाइलों को रोकने की कोशिश की थी, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी। ऐसे में यहां हुए हमले से आसपास रहने वाले लोगों में डर फैल गया है।

खार्ग टर्मिनल से सप्लाई जारी, खाड़ी देशों का प्रोडक्शन 70% तक गिरा

युद्ध के बीच तेल-गैस से ईरान की रिकॉर्ड कमाई

दुबई/तेहरान, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल के साथ जंग को ईरान ने एक मौके में बदल दिया है। अमेरिका ने खार्ग आइलैंड के पास सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, लेकिन ग्लोबल ऑयल संकट के डर से तेल टर्मिनल को सीधे निशाना नहीं बनाया। इसी का फायदा उठाते हुए ईरान ने खार्ग टर्मिनल चालू रखा और 'घोस्ट फ्लीट' के जरिए चीन को सप्लाई जारी रखी है।

इंटरनेशनलएनर्जी एजेंसी और S&P ग्लोबल के मुताबिक, ईरान रोजाना 1.7 से 2 मिलियन (17 से 20 लाख) बैरल तेल एक्सपोर्ट कर

ईरान के करीब 90% तेल का एक्सपोर्ट अभी भी खार्ग टर्मिनल से हो रहा है।

रहा है। देश के करीब 90% तेल का एक्सपोर्ट अभी भी खार्ग टर्मिनल से हो रहा है। साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले से एक्सपोर्ट प्रभावित हुआ, लेकिन गैस सप्लाई पूरी तरह बंद नहीं हुई। रिपोर्ट है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले विदेशी जहाजों से ईरान करीब 16.5 करोड़ रुपए प्रति जहाज 'वॉर टैक्स' भी वसूल रहा है। सऊदी अरब- दुनिया का सबसे बड़ा तेल एक्स्पोर्टर सऊदी अरब प्रोडक्शन बनाए रखने में संघर्ष कर रहा है। तेल का प्रोडक्शन 1 करोड़ बैरल/दिन से घटकर 80 लाख बैरल/दिन रह गया है।ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के जरिए यनबू तक तेल पहुंचाया जा रहा है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से स्टोरेज टैंक भर गए हैं, जिससे अरामको को कई कुएं अस्थायी रूप से बंद करने पड़े।

अमेरिका की ईरानी तेल खरीद पर 30 दिन की छूट

ग्लोबल ऑयल और एनर्जी मार्केट में बढ़ती महंगाई से अमेरिका भी परेशान है। महंगाई काबू करने के लिए उसने 20 मार्च को ईरानी तेल की खरीद पर प्रतिबंधों में 30 दिन की छूट दी है। ये छूट सिर्फ समुद्र में मौजूद ईरानी तेल के टैंकरों की खरीद के लिए है। अमेरिकी ट्रेजरी मिनिस्टर स्कॉट बेसेंट ने इसकी घोषणा की थी। ट्रेजरी विभाग की वेबसाइट के मुताबिक यह छूट 20 मार्च से 19 अप्रैल के लिए है।

खाड़ी देशों का प्रोडक्शन 70% तक गिरा

ईरान की होर्मुज स्ट्रेट पर पकड़ और लगातार हमलों के कारण सऊदी अरब, कतर, इराक, कुवैत और यूएई जैसे खाड़ी देशों की सप्लाई प्रभावित हुई है। सुरक्षित समुद्री रास्तों की कमी, बढ़ते हमले और लॉजिस्टिक्स दिक्कतों के चलते इन देशों का कुल उत्पादन 70% तक गिर गया है।

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध का सबसे सीधा असर कच्चे तेल पर पड़ा है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 3.26% की उछाल के साथ 112.19 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो जुलाई 2022 के बाद का सबसे उच्चतम स्तर है।

अगर तेल की कीमतें 100 डॉलर के ऊपर बनी रहती हैं, तो इससे भारत में महंगाई बढ़ेगी जो बाजार के लिए अच्छा नहीं है।

इजरायल ने लेबनान के कसमिया पुल को ध्वस्त किया

देश के दक्षिणी हिस्से से संपर्क टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी

इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने रविवार को दक्षिणी लेबनान में लिटानी नदी पर स्थित कासमिया (कासमिया) पुल पर हवाई हमला किया। यह हमला पुल के आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को पहले से चेतावनी दिए जाने के कुछ घंटों बाद किया गया। यह पुल लेबनान के दक्षिणी हिस्से को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है।

लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी (एनएनए) के अनुसार, पुल पर तीन अलग-अलग हमलों से व्यापक क्षति पहुंची है, जिसके कारण पुल अब पूरी तरह इस्तेमाल के अयोग्य हो गया है। एजेंसी ने बताया कि चौथा हमला भी हुआ, जिससे पुल के आसपास बिजली के नेटवर्क, दुकानें, बाग और पार्कों को भी गंभीर नुकसान पहुंचा है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने इन हमलों

की कड़ी निंदा की और कहा कि लिटानी नदी के पुलों को निशाना बनाना लेबनान की संप्रभुता का घोर उल्लंघन है। उन्होंने चेतावनी दी कि ये हमले स्थिति को और खतरनाक बनाने वाले हैं तथा जमीनी हमले की प्रस्तावना माने जा सकते हैं। राष्ट्रपति आउन ने कहा कि लिटानी नदी पर पुलों को नष्ट करना दक्षिणी इलाके और देश के बाकी हिस्सों के बीच भौगोलिक संपर्क को तोड़ने की कोशिश है। इससे नागरिकों की आवाजाही बाधित हो रही है, मानवीय सहायता पहुंचने में रुकावट आ रही है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था पर इस युद्ध का होगा बहुत बुरा असर

नई दिल्ली। इस्राइल और ईरान में युद्ध जारी है। इसी बीच अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख का एक बयान सामने आया है। उन्होंने इस युद्ध को एक वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बहुत बड़ा खतरा बताया। उन्होंने कहा कि में संकट पश्चिम एशिया का संयुक्त प्रभाव 1970 के दशक के दो तेल संकटों और रूस-यूक्रेन युद्ध के गैस बाजारों पर पड़े प्रभाव से भी कहीं अधिक बुरा रहा है।

कीमत : ईरान जंग से 24 दिन में सोना 24 हजार सस्ता, चांदी 65 हजार नीचे आई

सोने में आज 12 हजार चांदी में 31 हजार गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग के बीच सोने चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 12,077 रुपए घटकर 1.35 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले इसकी कीमत 1.47 लाख थी।

वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 30,864 रुपए घटकर 2.01 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.32 लाख रुपए किलो थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 24 दिन में 23,956 और चांदी 65,200 सस्ती हुई है।

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और भारी सुरक्षा का खर्च आता है। आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ जाती है, जिससे स्थानीय दाम बढ़ जाते हैं।

खरीदारी की मात्रा : दक्षिण भारत जैसे इलाकों में खपत ज्यादा (करीब 40%) होने के कारण ज्वेलर्स भारी मात्रा में सोना खरीदते हैं। इससे मिलने वाली छूट का फायदा ग्राहकों को कम दाम के रूप में मिलता है।

गिरावट के मुख्य कारण: मेटल छोड़कर 'कैश' पर भरोसा

आमतौर पर जंग के माहौल में सोने-चांदी के दाम बढ़ते हैं, लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी अलग है:

कैश की बचत: मिडिल ईस्ट जंग के कारण निवेशक जोखिम नहीं लेना चाह रहे हैं। वे अपने गोल्ड और सिल्वर को बेचकर 'कैश' इकट्ठा कर रहे हैं ताकि अनिश्चितता के समय उनके पास लिक्विड मनी रहे।

प्रॉफिट बुकिंग: जनवरी में कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थीं, इसलिए बड़े निवेशकों ने ऊंचे दामों पर अपनी होल्डिंग बेचना शुरू कर दिया, जिससे बाजार में सप्लाई बढ़ गई और कीमतें गिर गईं।

ब्याज दरों का असर: अमेरिका में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को लेकर सख्त रुख अपनाने से भी कीमती धातुओं की चमक थोड़ी फीकी हुई है।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोना-चांदी के दाम में आगे भी ये गिरावट जारी रह सकती है। ऐसे में निवेशकों को अभी सोने-चांदी में निवेश से बचना चाहिए।

लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: हर राज्य और शहर के अपने ज्वेलरी एसोसिएशन (जैसे तमिलनाडु में मद्रास ज्वेलर्स एसोसिएशन) होते हैं। ये संगठन स्थानीय मांग और सप्लाई के आधार पर अपने इलाके के लिए सोने का रेट तय करते हैं।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96